A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 30 मई, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 230, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या भारत ने जीडीपी में वाकई जापान को पीछे छोड़ दिया है?

संदीप राय

पिछले हफ़्ते शनिवार को नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने एक बयान जारी कर भारत को जापान से आगे निकलते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा किया। लेकिन दो दिन बाद ही सोमवार को नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा कि 2025 के अंत तक भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के इन दावों के बीच कुछ लोगों का कहना है कि भारत एक विशाल आबादी के साथ आर्थिक रूप से सही दिशा में प्रगति कर रहा है जबकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने जीडीपी के बारे में दावा करने में जल्दबाज़ी करने की ओर इशारा किया है।

बीते अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में भी अनुमान लगाया था कि 2025 तक भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। शनिवार को सुब्रह्मण्यम ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, 'मैं जब बोल रहा हूं, इस वक्त हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं और यह मेरा डेटा नहीं है। यह आईएमएफ़ का डेटा है। आज भारत जीडीपी के मामले में जापान से बड़ा है।'

हालांकि आईएमएफ़ के डेटा से पता चलता है कि यह बयान थोड़ा पहले ही दे दिया गया, जबकि वास्तव में भारत 2025 के अंत तक नॉमिनल जीडीपी के मामले में जापान से आगे निकलकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। नॉमिनल जीडीपी का आकलन, दरअसल महंगाई दर को समायोजित करके किया जाता है, जबकि बिना इसके की गई गणना को रियल जीडीपी कहा जाता है।

पीटीआई को दिए साक्षात्कार में नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा, 'निजी तौर पर मुझे भरोसा है कि 2025 के अंत तक ऐसा हो जाएगा, क्योंकि इसके लिए वित्त वर्ष के सभी 12 महीनों के जीडीपी आंकड़ों की ज़रूरत होती है। तब तक यह एक पूर्वानुमान ही रहेगा।'

हालांकि आर्थिक मामलों के जानकार भी कहते हैं कि भारत जल्द ही चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, इसमें कोई दो राय नहीं है।

पॉलिसी और जियोपॉलिटिक्स स्ट्रैटेजिस्ट सिद्धार्थ का कहना है कि हाल के सालों में भारत की प्रति व्यक्ति आय अधिकांश यूरोपीय देशों की तुलना में अधिक तेजी (फ़ीसदी में) से बढ़ी है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हर बार जब भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, तो कोई न कोई ये रटी रटाई बात कहता है कि 'लेकिन पर कैपिटा जीडीपी कम है।' भारत मोनाको नहीं है। यह 1.4 अरब लोगों की तेजी से आगे बढ़ने वाली आबादी है।'

'साल 2023 में पर कैपिटा इनकम यानी प्रति व्यक्ति आय 9.2 प्रतिशत बढ़ी, जो यूरोप के अधिकांश देशों की तुलना में ज़्यादा है। आप किसी बड़े देश को बुटीक मेट्रिक्स से नहीं मापते। आप इसे गति, पैमाने और रणनीतिक प्रभाव से मापते हैं। भारत आगे नहीं बढ़ रहा है, बल्कि आगे निकल रहा है। इसे समझना होगा।'

'हालांकि जेएनयू में अर्थशास्त्र के प्रोफ़ेसर रहे अरुण कुमार ने कहा कि नॉमिनल जीडीपी का जापान से आगे निकलना, आईएमएफ़ का प्रोजेक्शन (अनुमान) है और दावा करने में जल्दबाज़ी की गई। आईएमएफ़ ने भारत की जीडीपी का जो अनुमान लगाया है, वह 2025 के अंत तक 4.19 ट्रिलियन का है जबकि जापान की अर्थव्यवस्था के लिए 4.186 ट्रिलियन का अनुमान है। ये आकलन डॉलर में हैं और अंतर बहुत मामूली है, लेकिन अगर जापानी मुद्रा येन के मुकाबले रुपये में उतार चढ़ाव आता है तो ये अंतर भी जाता रहेगा।' इसके अलावा आईएमएफ़ ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है और महंगाई दर के 4.2 प्रतिशत होने का। ऐसे में अगर ये आंकड़े स्थिर नहीं रहे तो फिर स्थिति वही हो जाएगी।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम का कहना है कि अगर भारत अपनी प्लानिंग और सोच-समझ के मुताबिक़ काम करता है, तो उसे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में महज 2-3 साल लगेंगे। आईएमएफ की अप्रैल की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा ग्रोथ के हिसाब से नॉमिनल जीडीपी के मामले में 2028 तक भारत जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

'अमेरिका और चीन दुनिया की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाएं बनी रहने वाली हैं। प्रोफ़ेसर अरुण कुमार का कहना है कि आईएमएफ़ आंकड़े इकट्ठा करने वाली बॉडी नहीं है और वह उन देशों के दिए आंकड़ों के हिसाब से ही प्रोजेक्शन करती है। जीडीपी के आंकड़े हर तिमाही में करेक्ट किए जाते हैं। इसके अलावा दो साल बाद मुकम्मल आंकड़े आते हैं। तिमाही डेटा में जीडीपी के सही आंकड़े नहीं आते हैं, और जो आंकड़े आते हैं उसमें मान लिया जाता है कि जिस तरह संगठित क्षेत्र में चल रहा है, असंगठित क्षेत्र में भी चल रहा है।'

'लेकिन नोटबंदी और फिर कोविड लॉकडाउन के बाद जो गिरता हुआ सेक्टर है उसे हम मान लेते हैं कि वह बढ़ रहा है। इससे हमारा जीडीपी ग्रोथ बढ़ जाता है और यही दिक़्क़त है आंकड़ों की। ट्रंप के टैरिफ़ वॉर से दुनिया की अर्थव्यवस्था का कितना नुकसान होने वाला है, उसका बस अंदाज़ा लगाया जा रहा है। इसका भारत पर भी असर पड़ेगा। आईएमएफ़ का पूर्वानुमान अप्रैल 2025 का है। देखना होगा कि आगे क्या होता है।' जीडीपी और संपन्नता में बढ़ती ग़ैरबराबरी को लेकर सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ गई है।

कई अर्थशास्त्री पर कैपिटा जीडीपी यानी प्रति व्यक्ति आय को किसी देश की आर्थिक प्रगति के आकलन का एक सही मानक मानते हैं और भारत इस मामले में दुनिया में 140वें स्थान पर आता है।

प्रोफ़ेसर अरुण कुमार कहते हैं, 'एक तरफ़ प्रति व्यक्ति के मामले में भारत 140वें स्थान पर है तो दूसरी तरफ़ अरबपतियों की संख्या के मामले में यह तीसरे नंबर पर है। यह ये दिखाता है कि भारत में अमीर और अमीर हो रहा है और ग़रीब की स्थिति कुछ ख़ास बदल नहीं रही है या गिरावट में है।'

प्रोफ़ेसर अरुण कुमार समय से पहले जीडीपी के दावे पर कहते हैं, 'यह पूरी तरह राजनीतिक प्रतीत होता है। पाकिस्तान के साथ हालिया झगड़े और सीज़फ़ायर के बाद जनता में एक भरोसा पैदा करने की एक कोशिश भी हो सकती है।' आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि जापान की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई है। जबकि भारत ने अपनी नॉमिनल जीडीपी में लगभग दोगुने की वृद्धि की है। वर्ल्ड रैंकिंग में इसका भी असर है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

सुप्रभात

भीगी हुई आँखों का ये
मंज़र न मिलेगा
घर छोड़ के मत जाओ
कहीं घर न मिलेगा
फिर याद बहुत आएगी
ज़ुल्फ़ों की घनी शाम
जब धूप में साया कोई
सर पर न मिलेगा
आँसू को कभी ओस का
क़तरा न समझना
ऐसा तुम्हें चाहत का
समुंदर न मिलेगा
इस ख़्वाब के माहौल में
बे-ख्वाब हैं आँखें
जब नींद बहुत आएगी
बिस्तर न मिलेगा
ये सोच लो अब आखरी
साया है मोहब्बत
इस दर से उठोगे तो
कोई दर न मिलेगा।

– बशीर बद्र

कर्नाटक कांग्रेस में फिर रार

- अधिकारियों के तबादले पर भिड़ गए CM सिद्धारमैया और डिप्टी CM डीके शिवकुमार

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के तबादले को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। इस संबंध में डीके शिवकुमार ने राज्य के चीफ सेक्रेटरी को एक पत्र भी लिखा है और कहा कि उनकी मर्जी के बिना उनके विभाग में अधिकारियों का तबादला नहीं किया जा सकता। ये विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब सीएम ने जल संसाधन मंत्रालय के मुख्य अभियंताओं (चीफ इंजीनियर्स) का ट्रांसफर बिना शिवकुमार की मंजूरी कर दिया था।

पाक समझ ले, 3 बार घुसकर मारा

पीएम मोदी की पाकिस्तान को दो टूक

- बंगाल में बोले- अब आतंकी हमला हुआ तो कीमत चुकानी होगी
- TMC और ममता बनर्जी पर भी जमकर बरसे

कोलकाता। पीएम मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में करीब 32 मिनट का संबोधन दिया। पीएम ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान, ममता सरकार के भ्रष्टाचार और केंद्र की नीतियों का जिक्र किया।

पीएम ने कहा- पाकिस्तान समझ ले तीन बार घर में घुसकर मारा है। हम शक्ति को पूजने वाले लोग हैं। बंगाल टाइगर की धरती से 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

राज्य की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि, केंद्र की बीजेपी सरकार देशभर में गरीबों को पक्के घर दे रही लेकिन यहां लाखों परिवारों का घर नहीं बन पा रहा है क्योंकि टीमएसी के लोग इसमें भी गरीब के पास से कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं।

आज पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। पहला संकट- समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा- माताओं बहनों की असुरक्षा का है।

मोदी बोले- बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार

पीएम ने कहा– करप्शन का सबसे बुरा असर नौजवानों पर पड़ता है, गरीबों पर पड़ता है। ये चारों तरफ बर्बादी लाती है। ये हमने टीचर भर्ती घोटाले में देखा है। इस सरकार ने अपने शासन में हजारों टीचर का भविष्य बर्बाद कर दिया। टीएमसी के घोटालेबाजों ने सैकड़ों बेटे बेटियों को अंधकार में धकेल दिया है। ये सिर्फ कुछ हजार टीचर्स के साथ धोखा नहीं है बल्कि पूरे एजुकेशन सिस्टम को खराब कर दिया।

पीएम ने दिया

ममता सरकार की निर्ममता का उदाहरण– पीएम ने कहा– मुर्शिदाबाद और मालदा में जो कुछ हुआ है, वो यहां की सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। गरीबों की पूंजी राख कर दी गई। तुष्टिकरण के नाम पर गुंडागर्दी को खुली छूट दी गई। विधायक और कॉरपोरेटर लोगों के घरों को चिन्हित करके जलाते हैं पुलिस तमाशा देखती है। मैं बंगाल की जनता से पूछता हूं कि क्या सरकारें ऐसे चलती हैं। साथियों बंगाल की जनता पर हो रहे इन अत्याचारों को यहां की निर्मम सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। यहां हर बात पर कोर्ट को दखल देना पड़ता है।

अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामला

आरोपी क्रिश्चियन मिशेल की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले की सुनवाई के दौरान ब्रिटिश नागरिक और घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, क्रिश्चियन मिशेल ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। इसी की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस मामले में राहत देने से साफ इनकार कर दिया। क्रिश्चियन मिशेल ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा जमानत की शर्त के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में क्रिश्चियन मिशेल को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, इसके साथ ही कोर्ट ने शर्त रखी थी कि उसे भारत में अपने निवास के बारे में जानकारी देनी होगी। जहां जमानत मिलने के बाद वह रहने वाला है। इसके बाद हाई कोर्ट की जमानत शर्त के खिलाफ क्रिश्चियन मिशेल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और इन जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

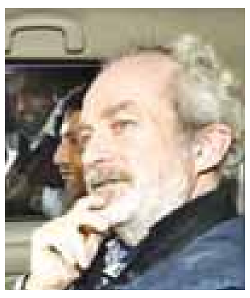

रतलाम-नागदा के बीच रेलवे मल्टीट्रैकिंग परियोजना की मंज़ूरी प्रदेश के लिए बड़ी सौगात : मुख्यमंत्री

प्रेस वार्ता से वर्चुअली जुड़े मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में रेल सुविधाओं के विकास और रेल नेटवर्क के विस्तार को गति प्रदान करने के लिए डबल इंजन सरकार पूरी तरह संकल्पित भाव से कार्य कर रही है। वर्तमान में देश का स्वर्णिम काल चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि देश में रेल से अच्छा यातायात का कोई अन्य साधन नहीं है। इस नाते केंद्र सरकार रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाते हुए प्रदेश में अलग-अलग रेलवे ट्रैक को विस्तार दे रही है। इसी क्रम में आर्थिक मामलों की केंद्रीय मंत्रिमंडलीय समिति ने रतलाम से नागदा के बीच रेलवे मल्टीट्रैकिंग परियोजना को स्वीकृति दी है जो मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात है। इससे मालवा अंचल में न सिर्फ रेल कनेक्टिविटी बढ़ेगी बल्कि अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई रेल परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्निनी वैष्णव का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रेल परियोजनाओं की स्वीकृति से संबंधित प्रेस वार्ता में पन्ना से वर्चुअली जुड़े।

मध्यप्रदेश को मिलेगी तीन नई रेल गाड़ियों की सौगात

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि मध्यप्रदेश को जल्द ही तीन नई ट्रेनों की सौगात भी मिलने जा रही है। इनमें पहली ट्रेन रीवा–सतना–जबलपुर–पुणे, दूसरी ट्रेन जबलपुर से रायपुर वाया नैनपुर–गोंदिया और तीसरी ट्रेन ग्वालियर–भोपाल–पुणे–बंगलुरु शामिल हैं। दो महीने पहले नई दिल्ली से डॉ. अंबेडकर नगर (महू) के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू हो चुकी है।

दो प्रांतों के लगभग बीस लाख नागरिक होंगे लाभान्वित

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडलीय आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लिए 2 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं की मंजूरी दी। परियोजना की अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रूपए है। इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं के अंतर्गत रतलाम से नागदा के मध्य तीसरी और चौथी लाइन बिछाने का कार्य होगा। वहीं महाराष्ट्र में वर्धा से बल्हारशाह तक चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी। इन दोनों मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं के पूर्ण होने पर भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 176 किलोमीटर तक विस्तार होगा। लगभग 784 गांवों में निवासरत 19.74 लाख नागरिकों तक रेलवे संपर्क सुविधा पहुंचेगी। इससे यात्रियों को सुगम एवं निर्बाध यात्रा का लाभ मिलेगा। साथ ही वस्तुओं के परिवहन कार्य को भी गति मिलेगी।

रतलाम-नागदा परियोजना से प्रतिवर्ष बचेगा 7.5 करोड़ लीटर डीजल

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि रतलाम से नागदा के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने से प्रतिवर्ष 7.5 करोड़ लीटर डीजल की बचत होगी। रतलाम–नागदा मल्टीट्रैकिंग परियोजना से पर्यावरण को भी लाभ पहुंचेगा। इससे 38 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोका जा सकेगा। कार्बन उत्सर्जन के लिहाज से देखा जाए तो यह 1.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर परियोजना है। वर्चुअल कार्यक्रम में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, सूक्ष्म–लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, वरिष्ठ सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ट्रम्प के टैरिफ पर अमेरिकी कोर्ट ने लगाया ब्रेक

कोर्ट ने कहा - राष्ट्रपति ट्रम्प अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़ रहे

इकोनॉमी का हवाला देकर कुछ भी नहीं कर सकते

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को फेडरल ट्रेड कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रंप ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और संविधान के दायरे से बाहर जाकर ये टैरिफ लगाने की कोशिश की।

मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रंप के इस कदम को गैर-कानूनी ठहराया। कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने कहा कि ट्रंप ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) का गलत इस्तेमाल किया। ये कानून राष्ट्रपति को आपातकाल में कुछ खास शक्तियां देता है, लेकिन कोर्ट ने माना कि ट्रंप ने इसे बिना ठोस आधार के इस्तेमाल किया।

2 अप्रैल को ट्रम्प ने दुनियाभर के कई देशों पर टैरिफ लगाया था

2 अप्रैल 2025 को ट्रंप ने 'लिबरेशन डे' का नाम देते हुए दुनिया भर के 100 से ज्यादा देशों से आने वाले सामान पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। उनका दावा था कि ये टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे और उन देशों को सबक सिखाएंगे जो अमेरिका से कम सामान खरीदते हैं और ज्यादा बेचते हैं हालांकि, बाद में चीन को छोड़कर बाकी देशों पर टैरिफ पर 90 दिनों के लिए रोक लगा दी थी। ट्रम्प के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी टैरिफ लगाया था इसी वजह से चीन को टैरिफ से राहत हीं दी गई थी। चीन का टैरिफ बढ़ाकर 145 प्रतिशत कर दिया गया था। बातचीत के बाद चीन पर से भी टैरिफ को कम कर दिया गया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38°c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 30 मई 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

पारम्परिक शिल्पकला, आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का आधार है : सीएम

● सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त माध्यम है वोकल फॉर लोकल का विचार ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया क्राफ्टरूट्स हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के विचार को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। यह हमारी पारंपरिक शिल्प कला, लोक कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त माध्यम है। साथ ही वोकल फॉर लोकल का विचार स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाते हुए कारीगरों की आत्मनिर्भरता और उनके स्वावलंबन के लिए भी प्रभावी है। इस दिशा में ग्राम श्री ट्रस्ट द्वारा क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी के माध्यम से की गई पहल कारीगरों को नई पहचान और अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में क्राफ्टरूट्स हस्त शिल्प प्रदर्शनी के भोपाल हाट में शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा राज्यपाल श्रीमती पटेल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज ने भोपाल और इस संपूर्ण अंचल को विशेष पहचान दी है। इसके साथ ही देश लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मना रहा है। देवी अहिल्याबाई ने महिला स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण के अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। यह प्रदेशवासियों के लिए सौभाग्य का विषय है कि देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती पर भोपाल में होने वाले महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पधार रहे हैं। क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी भी महिला स्वावलंबन की दिशा में सार्थक कदम है। इस दृष्टि से इस प्रदर्शनी का शुभारंभ महिला सम्मेलन के आरंभ का प्रतीक ही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों के हस्तशिल्प की अपनी विशेष पहचान और आभा है। ऐसी प्रदर्शनियों के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर के उत्पादों की ख्याति दूर-दूर तक फैलती है और कारीगरों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। बड़े उद्योगों से लेकर कुटीर उद्योगों तक के विस्तार के लिए प्रदेश में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प से बनने वाले उत्पाद प्लास्टिक का प्रभावी विकल्प हो सकते हैं। राज्य सरकारों, संस्थाओं सहित व्यक्तिगत स्तर पर भी इसे प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए क्राफ्ट यूनिवर्सिटी स्थापित करने की आवश्यकता बताई।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के स्मरण मात्र से मन गर्व और श्रद्धा से भर जाता है: उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर संगोष्ठी में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना थी। उनके चरित्र के स्मरण मात्र से मन गर्व और श्रद्धा से भर जाता है। उनके द्वारा किए गए जन कल्याणकारी कार्य सर्वदा याद किए जाते रहेंगे। लोकमाता के चरित्र का अनुसरण करने से व्यक्ति के मन में जो संस्कार आएंगे उससे वह वैसा ही व्यवहार करेगा और भारत को विश्वगुरू बनाने का संकल्प पूरा होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने माँ सरस्वती व लोकमाता अहिल्याबाई के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

शासक से सुशासक बनकर राजमाता बनीं लोकमाता- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कृतज्ञ देश लोकमाता अहिल्याबाई का पुण्य स्मरण कर रहा है। उनकी न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था, कौशल व धार्मिक प्रवृत्ति का लोहा सम्पूर्ण विश्व मानता है। स्टीवन गार्डन ने लोकमाता के बारे में अपनी राय देते हुए लिखा है कि वह न्यायप्रिय सुशासन व धर्म परायण शासक थीं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ सहित अनेक ज्योतिर्लिंगों के मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य कर सनातन को दृढ़ता प्रदान की। जिससे हमारा देश मजबूत हुआ। उन्होंने धर्म की ध्वजा को सामने रखकर आंतरिक सुरक्षा को भी मजबूत किया। घाटों का निर्माण कराकर जल संरक्षण का संदेश दिया। शासक से सुशासक बनकर राजमाता लोकमाता बनीं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश में राजमाता के विचारों का अनुसरण कर देश को समृद्धशाली बनाने का कार्य किया जा रहा है। आर्थिक समृद्धि के साथ कृषि के क्षेत्र में समृद्धशाली बनकर आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी इकॉनामी के तौर पर स्थापित हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी समर्पण भाव से देश के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा हमने अपनी आंतरिक सुरक्षा का भी लोहा मनवाया है। हमारे देश के सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधि मण्डल दुनिया में ऑपरेशन सिंदूर की कहानी बता रहे हैं।

समर कैंप 2025 में विज्ञान और नवाचार की अनोखी उड़ान: ग्लाइडर से लेकर माइक्रोस्कोप तक, बच्चों ने सीखी व्यवहारिक विज्ञान की बारीकियाँ

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल में चल रहे समर कैंप 2025 की शुरुआत 27 मई को एक रोमांचक ग्लाइडर मेकिंग वर्कशॉप के साथ हुई, और अगले ही दिन बच्चों ने खुद का माइक्रोस्कोप बनाकर विज्ञान की सूक्ष्म दुनिया में भी कदम रखा। दो दिनों की इन गतिविधियों ने बच्चों को न केवल विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव दिया, बल्कि नवाचार और रचनात्मकता की दिशा में भी प्रेरित किया।

ग्लाइडर मेकिंग वर्कशॉप का उद्घाटन MPCST के कार्यकारी निदेशक डॉ. विवेक कटारे द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को मिशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे भारत ने UAV (ड्रोन) और मिसाइल तकनीक की मदद से यह उपलब्धि हासिल की। डॉ. कटारे ने बच्चों को विज्ञान की दुनिया में निरंतर प्रयोग और जिज्ञासा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यशाला में भोपाल के विभिन्न विद्यालयों से आए 25 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने ग्लाइडर के सिद्धांतों को समझा, स्वयं उन्हें बनाया और उन्हें उड़ाकर विज्ञान को सजीव रूप में अनुभव किया।

28 मई को समर कैंप की दूसरी कार्यशाला में छात्रों ने सरल संसाधनों से माइक्रोस्कोप बनाना सीखा। इसके बाद उन्होंने MPCST परिसर से फूलों की पंखुड़ियाँ, बीज, पत्तियाँ और बीटल्स जैसे छोटे कीटों को इकट्ठा कर स्लाइड्स बनाई और उन्हें माइक्रोस्कोप से देखा। बच्चों के चेहरों पर आश्चर्य और उत्साह झलक रहा था जब उन्होंने पहली बार किसी फूल की संरचना या कीटों के पंख इतने करीब से देखे।

दोनों कार्यशालाओं का सफल संचालन Centre for Creative Learning, MPCST, Bhopal की टीम – पंकज गोदारा, करण सिंह भिंडे, बृजमोहन, अंजली पांडे, सुनील नायर और नीलू काछी – द्वारा किया गया। उनकी मार्गदर्शना में बच्चों ने रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को गहराई से समझा। समर कैंप 2025 के आगामी दिनों में और भी रोचक गतिविधियां – जैसे रोबोट बनाना, अनुवांशिक की दुनिया , इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोजेक्ट्स और बहुत कुछ – आयोजित की जाएँगी, जिनका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच, खोज की भावना और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। आगे भी समय समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। जिनकी जानकारी काउंसिल की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी ।

सूरीनाम में गूँजा भोपाल

पारामारिबो। सूरीनाम की राजधानी पारामारिबो (भारत से लगभग 14000 किलोमीटर दूर) स्थित भारतीय दूतावास के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के सभागार में भोपाल के प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'सूरीनाम की चयनित रचनाएं' पुस्तक के लोकार्पण हेतु विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस पुस्तक का संपादन सूरीनाम की हिंदी लेखिका शर्मिला रामरतन ने किया है। इस कार्यक्रम में भारतीय दूतावास के प्रभारी राजदूत एवं चांसलरी प्रमुख प्रेम सेलवाल एवं रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सूरीनाम की वरिष्ठ हिंदी लेखिका श्रीमती संध्या भगु ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। केंद्र के निदेशक डॉ.सोमवीर आर्य ने स्वागत वक्तव्य दिया। उन्होंने केंद्र की ओर से भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु संचालित गतिविधियों से परिचित कराया। पुस्तक की संपादक श्रीमती शर्मिला ने अपने वक्तव्य में संग्रह के प्रकाशन हेतु टैगोर विश्वविद्यालय एवं लेखकों के महत्वपूर्ण योगदान हेतु आभार ज्ञापित किया ।समारोह को सूरीनाम हिंदी परिषद के अध्यक्ष प्रेमसुख ,लेखिका कार्मल सोमैया ,सुन्द्रा लुटावन आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के पोस्टर का लोकार्पण भी अतिथियों ने किया ।डॉ. कर्नावट ने भोपाल और मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को प्रतिपादित किया। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र के संयोजन में आइसेक्ट प्रकाशन द्वारा अब तक 16 देशों की चयनित रचनाओं का प्रकाशन हो चुका है।

मुख्यमंत्री 'माँ तुझे प्रणाम' महिला प्रतिभागियों की बस को करेंगे रवाना

'अहिल्या वाहिनी' प्रदेशव्यापी महिला बाइक रैली शुक्रवार को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 30 मई को प्रदेशव्यापी महिला बाइक रैली 'अहिल्या वाहिनी' में शामिल होंगे। यह रैली शौर्य स्मारक से सुबह 9 बजे शुरू होगी। रैली में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

इस दौरान मुख्यमंत्री बहनों से संवाद करेंगे। वाहन रैली शौर्य स्मारक से शुरू होकर 1250, अंकुर स्कूल से अपेक्स बैंक तिराहा, न्यू मार्केट से रोशनपुरा, रंग महल से जवाहर चौक, अटल पथ से प्लेटिनम प्लाजा चौराहा, अपेक्स बैंक तिराहा से लिंक रोड नबंर एक, 1250 से व्यापम चौराहा होते हुए शौर्य स्मारक पर समाप्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ÷माँ तुझे प्रणाम'' योजना में महिला प्रतिभागियों की बस को भी हरी झण्डी दिखा कर रवाना करेंगे। शासन द्वारा 'माँ तुझे प्रणाम' योजनांतर्गत युवाओं को प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक स्थानों से परिचित कराने का निर्णय लिया गया। ग्वालियर-चंबल संभाग की कुल 90 युवतियों को भोपाल संभाग के प्रमुख स्थल शौर्य स्मारक, मानव संग्रहालय, भोजपुर, वन विहार, साँची स्तूप एवं अंतर्राष्टीय स्तर की शूटिंग और घुड़सवारी अकादमी के भ्रमण पर भेजा जा रहा है।

राज्य शासन द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से माँ तुझे प्रणाम योजना वर्ष 2013 में शुरू की गयी। अभी तक 15 हजार 667 युवक-युवतियों को भारत की विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की अनुभव यात्रा करवायी जा चुकी है।

आपले वाचनालय द्वारा राधेश्याम काबराजी का सम्मान

इंदौर। आपले वाचनालय, साहित्य कला संस्कृति केंद्र, राजेंद्रनगर द्वारा निःशुल्क स्व संचालित वाचनालय आत्म अनुभूति केंद्र के प्रणेता राधेश्याम काबरा जी का अमृत महोत्सवी सम्मान किया गया। संस्था सचिव संदीप और श्रीति राशिनकर ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके वाचनालय प्रकल्प और मंच द्वारा किए जा रहे समाजोपयोगी विभिन्न कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए जा रहे कार्य केमाध्यम से वे समाज में रचनात्मकता और सकारात्मकता बढ़ाने का प्रेरणास्पद एवं अतुलनीय कार्य कर रहे हैं।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर मुंबई में व्याख्यान देंगे प्रो.संजय द्विवेदी

भोपाल। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ द्वारा 'हिंदी पत्रकारिता दिवस' के मौके पर आयोजित हिंदी सेवा सम्मान समारोह में प्रो.संजय द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। वे हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर मुख्य व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम उत्तर भारतीय संघ भवन, बांद्रा पूर्व मुंबई में 30 मई को अपराह्न 3.30 बजे आयोजित होगा।हिंदी सेवा सम्मान समारोह में हिंदी भाषा के विकास में विशेष योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा।

समारोह में महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास व रोजगार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा मुख्य अतिथि एवं परिवहन मंत्री प्रताप सननाईक बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

हिंदी सेवा सम्मान में सम्मान मूर्ति के रूप में सुप्रसिद्ध गीतकार समीर अनजान,आजतक के साहिल जोशी, उद्योगपति ज्ञानप्रकाश सिंह,, आयुर्वेद महाविद्यालय नागपुर के डीन प्रोफेसर बृजेश मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार विमल मिश्र और यतेंद्र सिंह यादव मौजूद रहेंगे

राजस्थान में दर्दनाक हादसा

ट्रक की टक्कर से चचेरे भाइयों सहित 3 की मौत

● धौलपुर में शादी में ढोल बजाकर लौट रहे थे

● एनएच-11बी पर विश्रोदा गांव के पास हादसा

धौलपुर (एजेंसी)। धौलपुर में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा गुरुवार दोपहर 1 बजे सदर थाना इलाके में धौलपुर-करौली NH-11बी पर विश्रोदा गांव के पास हुआ। युवक धौलपुर में एक शादी समारोह में ढोल ताशे बजाकर बसेड़ी की ओर लौट रहे थे। मृतकों में दो चचेरे भाई शामिल हैं, जबकि तीसरे युवक की अभी तक पहचान नहीं हुई है। पचगांव चौकी के हेड कॉन्स्टेबल अरुण शर्मा ने बताया कि मृतक युवक रवि (25) पुत्र पप्पू निवासी पथरोला थाना सदर के पिता ने बताया कि उनका बेटा रवि (20) और बड़े भाई दर्शन का बेटा रंजीत (25) बाइक पर सवार तीसरे युवक के साथ बाड़ी से धौलपुर एक शादी समारोह में ढोल ताशा से बजाने गए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद तीनों एक ही बाइक से वापस बाड़ी की ओर रवाना हुए थे। रास्ते में विश्रोदा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं, तीनों युवक दूर जाकर गिरे।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस तीनों युवकों को लहूलुहान हालत में लेकर जिला अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल में डॉक्टर ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया।

आतंकवाद से लड़ाई में मिला इंडोनेशिया का साथ

● संजय झा बोले- यहां भारत के लिए है बहुत सम्मान ● भारतीय प्रतिनिधिमंडल की इंडोनेशिया के विचारकों से चर्चा

जकार्ता (एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड (जेदयू) नेता संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इंडोनेशिया दौरे पर है। संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को इंडोनेशिया के विचारकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू सांसद संजय कुमार झा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'हमने आसियान के महासचिव से मुलाकात की। हम यहां के उप विदेश मंत्री और स्थानीय थिंक टैंक के प्रतिनिधियों से भी मिले। हमें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इंडोनेशिया एक बहुसांस्कृतिक समाज है, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, लेकिन भारत के रुख को लेकर यहां बहुत सम्मान है। हाल में भारत पर हुए हमले की यहां के राष्ट्रपति ने निंदा की थी। हमने इस घटना और 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में यहां अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखा है।'

भाजपा सांसद बृजलाल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'इंडोनेशिया में बहुत अच्छी बातचीत हुई है। हमने यहां नेताओं से बात की, फिर कल शाम हमने आसियान राजदूतों से बातचीत की और आज हमने थिंक टैंक से मुलाकात की। हमने उनके साथ भारत की स्थिति साझा की। हमने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय देश है। हम अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखते हैं। हालांकि, हमारे पड़ोसी की मानसिकता सही नहीं है। समय-समय पर वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहता है, जो हमारे विकास में बाधा डालता है। हमने इसे यहां स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है।'

नक्सलवाद ने टेके घुटने: कोरापुट में माओवादी लीडर कुंजम हिडमा गिरफ्तार

जगदलपुर (एजेंसी)। ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के त्रि-जंक्शन क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों को करारा झटका लगा है। कोरापुट जिला पुलिस और जिला स्वयंसेवी बल (डीवीएफ) की संयुक्त एंटी-नक्सल कार्रवाई में वांछित नक्सली लीडर कुंजम हिडमा उर्फ मोहन को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और माओवादी सामग्री बरामद की है। जब्त सामान में एक एके-47 राइफल, 35 राउंड गोलियां, 117 डेटोनेटर (इलेक्ट्रिक और नॉन-इलेक्ट्रिक), बारूद, वायरलेस रेडियो, चाकू और माओवादी साहित्य शामिल हैं। यह कार्रवाई माओवादियों की कमर तोड़ने वाली मानी जा रही है और इससे सुरक्षा बलों को इस इलाके में माओवादियों के नेटवर्क को कमजोर करने में बड़ी मदद मिलेगी। हाल ही में, 21 मई 2025 को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में हुए एक बड़े एनकाउंटर में नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराज को मार गिराया गया।

महिलाओं के क्रिकेट की आड़ में खिला रहे थे सट्टा

यूट्यूब चैनल पर मैच का प्रसारण, 1 एक्स मोबाइल एप पर लगाया जाता था दांव

इंदौर। राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में बुधवार रात पुलिस ने एक क्रिकेट टर्फ पर छापा मारकर महिलाओं के क्रिकेट मैच की आड़ में चल रहे सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ किया। यह मैच 'फीमेल इंडोर क्रिकेट लीग' नाम से यूट्यूब पर लाइव प्रसारित किया जा रहा था, जबकि इसकी आड़ में 1 एक्स नामक सट्टा एप के माध्यम से दिल्ली से ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस इस रैकेट के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है और टेक्निकल एविडेंस के आधार पर पूरे नेटवर्क को उजागर करने में जुटी है।

दिल्ली में बैठकर चल रहा था सट्टा नेटवर्क

टीआई नीरज बिरथरे के मुताबिक पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि ट्रेजर टाउन कॉलोनी बीजलपुर के

पास बने टर्फ पर महिला क्रिकेट मैच कराए जा रहे हैं और यूट्यूब चैनल के माध्यम से उनका प्रसारण किया जाता है। साथ ही 1 एक्स नामक मोबाइल एप के जरिये इन मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। वहां से युवक अनुराग पुत्र कृष्ण कुमार दलाल को पकड़ा गया, जो ट्रेजर टाउन में किराए से रह रहा था और मूल रूप से दिल्ली का निवासी है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान और नकदी जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने टर्फ से दो मोबाइल फोन, एक कस्टमाइज सीपीयू, दो मॉनिटर, दो कैमरे, यूपीएस, साइबर पावर डीबीआर, राउटर सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। साथ ही सट्टे का लेखा-जोखा दर्ज एक डायरी और करीब 35,000 रुपए नकद भी बरामद किए हैं।

दिल्ली निवासी सिद्धार्थ राय मास्टरमाइंड

पूछताछ में अनुराग ने बताया कि पूरा प्रोजेक्ट उसके दोस्त सिद्धार्थ राय का है, जो दिल्ली में रहकर यूट्यूब पर मैच का प्रसारण करता है और सट्टे की बुकिंग कराता है। इसके लिए एक खास एप भी बनवाया गया है। पुलिस ने सिद्धार्थ को भी इस केस में आरोपी बनाया है और अब उसकी तलाश की जा रही है। साथ ही पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की भी तलाश में जुटी है।

महिलाएं खेल रहीं थीं क्रिकेट, कैमरों से हो रहा था लाइव प्रसारण- छापेमार कार्रवाई के दौरान टर्फ पर महिलाएं क्रिकेट खेल रही थीं और वहां से दो कैमरों के जरिए पूरा मैच यूट्यूब पर लाइव दिखाया जा रहा था।

नगर निगम ने टीन-शेड के मकानों को JCB से हटाया

बाणगंगा इलाके में रिमूवल की कार्रवाई, लोगों ने सड़क पर रखे कूलर-बर्तन

इंदौर। नगर निगम की रिमूवल टीम ने गुरुवार को बाणगंगा इलाके के नरवल में रिमूवल की कार्रवाई की। टीम ने यहां से टीन-शेड के मकानों को हटाया। कार्रवाई करने के एक घंटे पहले ही निगम की टीम ने सामान खाली करने की मुनादी कर दी थी। जिसके बाद टीम ने जेसीबी की मदद से इन मकानों को हटाने की कार्रवाई की। नगर निगम ने ये कार्रवाई जोन 17 में की। यहां पर टीन शेड के मकान बने थे, जिन्हें हटाने के लिए निगम का अमला दल, बल और पुलिस के साथ गुरुवार दोपहर को पहुंचा।

मकान खाली करने लगे लोग- टीम ने जैसे ही यहां पर कार्रवाई करने की मुनादी की, तो लोगों ने अपने घरों में रखा

सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया। इस दौरान निगमकर्मियों ने भी सामान बाहर निकाला। कई लोगों ने लोडिंग में सामान भरा जबकि कुछ का सामान रोड पर ही एक तरफ रखा, जिसे बाद में हटाया गया। जेसीबी और निगमकर्मियों के साथ पहुंची टीम ने टीन शेड के मकानों को जेसीबी के मदद से तोड़ना शुरू किया। निगम अधिकारियों ने बताया कि जोन 17 में नरवल इलाके में ये कार्रवाई की गई है। यहां पर कई करीब कच्चे व टीन शेड के मकान-दुकान थे, जिन्हें हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

चलते ऑटो में ड्राइवर को आया अटैक

सवारी ने दी सीपीआर, अस्पताल में हुई मौत, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर। तुकोगंज इलाके में सवारी लेकर जा रहे ऑटो चालक प्रीतम सिंह (55) पुत्र रामचंद्र के सीने में अचानक दर्द उठा। उसने

जैसे-तैसे ऑटो रोका और झटपटाते हुए नीचे गिर गया। ऑटो में बैठी सवारी ने तत्काल उन्हें जमीन पर लिटाया और सीपीआर दिया। करीब 15 मिनट बाद वहां पर एम्बुलेंस पहुंची। ऑटो चालक को एमवाय अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना मालवा मिल ब्रिज के नीचे की है। प्रीतम सिंह ने नक्षत्र गार्डन से सवारी बैठाई और उसे छोड़ने जा रहा था। तभी उसके सीने में तेज दर्द हुआ। परिचितों ने बताया कि प्रीतम नक्षत्र गार्डन क्षेत्र में ही ऑटो चलाता था। उसके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अब इंदौर में होगा जानवरों का अंतिम संस्कार

हरियाणा की कंपनी को मिला 3 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट

ग्वालियर-भोपाल में पहले से है ये सुविधा

इंदौर। अब इंदौर शहर में मरे हुए जानवरों को जमीन में गाड़ने की बजाय उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। नगर निगम ने इसके लिए हरियाणा की माइक्रोटेक कंपनी से करार किया है। यह कंपनी 5 साल तक अंतिम संस्कार प्लांट का निर्माण, संचालन और रखरखाव करेगी। नगर निगम इस योजना पर करीब 3 करोड़ रुपए खर्च करेगा। अभी तक शहर में जानवरों की मौत होने पर उन्हें गड्ढा खोदकर जमीन में दफनाया जाता था। इससे न केवल बदबू फैलती थी, बल्कि भूजल भी प्रदूषित होता था। इस समस्या को खत्म करने के लिए निगम ने निजी कंपनियों से प्रस्ताव मांगे थे। पांच कंपनियों ने रुचि दिखाई, जिनमें से हरियाणा की कंपनी को चुना गया। भोपाल में पहले ही 5 करोड़ की लागत से एनिमल इंसीनरेटर लगाया जा चुका है। यहां रोजाना 35-40 मृत जानवर मिलते हैं, जिनका कुल वजन लगभग 3 टन होता है। यह इंसीनरेटर एक घंटे में 300 किलो और पूरे दिन में

लगभग 4 टन शवों का अंतिम संस्कार कर सकता है। इससे जमीन और भूजल दोनों को प्रदूषण से बचाया जा सका है। इंसीनरेटर से केवल 5 प्रतिशत राख निकलती है। इसमें डबल स्क्रबर टेक्नोलॉजी लगाई गई है, जो धुएं को ठंडा करके उसके अंदर के हानिकारक कणों को फिल्टर करती है। इसके बाद धुआं 30 मीटर ऊंची चिमनी से बाहर निकाला जाता है। ग्वालियर के केदारपुरा में भी 7.8 करोड़ की लागत से दो इंसीनरेटर लगाए जा चुके हैं।

दिल्ली, राजस्थान और यूपी में पहले से है यह व्यवस्था

दिल्ली, आगरा, कोटा सहित देश के कई शहरों में जानवरों के अंतिम संस्कार की यह व्यवस्था पहले से मौजूद है। आगरा में तो अंतिम संस्कार के बाद पशु अस्थियों को विसर्जन के लिए परिजनों को भी सौंपा जाता है।

करणी सेना भारत ने निकाली प्रताप पराक्रम यात्रा

भगवा ध्वज और जयकारों के साथ छत्रसाल प्रतिमा पर समापन, राष्ट्रभक्ति का दिया संदेश

इंदौर। करणी सेना भारत द्वारा प्रताप पराक्रम यात्रा गुरुवार को निकाली। यात्रा भारत माता मंदिर बापट चौराहे से शुरू होकर विभिन्न

रास्तों से होते हुए छत्रसाल प्रतिमा तक पहुंची। जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यात्रा में भगवा ध्वज और राजपुताना साफे के साथ महाराणा प्रताप, महाराजा छत्रसाल और भारत माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। करणी सेना भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गौतम और जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह गौर यादू ने बताया कि भारत माता मंदिर बापट चौराहा से प्रताप पराक्रम यात्रा निकाली जो यहां से शुरू होकर विजय नगर, रेडिसन होते हुए महाराजा छत्रसाल प्रतिमा स्थल पर पहुंची। महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा का माल्यार्पण के साथ यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर, विधायक रमेश मेंदोला, विधायक उषा ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मुकेश सिंह राजावत, निरंजन सिंह चौहान, जगदीश ठाकुर, धर्मेंद्र सिंह गौतम सहित कई लोग शामिल हुए।

100 रुपए से अधिक की अचल संपत्ति पर नोटरी प्रतिबंधित

इंदौर कलेक्टर ने जारी किए आदेश

इंदौर। इंदौर जिले में कोई भी व्यक्ति 100 रुपए या उससे ज्यादा कीमत की जमीन या मकान संबंधी दस्तावेजों की नोटरी नहीं

करवा सकता। ऐसा करना अब गैरकानूनी है। इस संबंध कलेक्टर आशीष सिंह ने आदेश जारी किए है। दरअसल, पंजीकरण अधिनियम, 1908 के अनुसार, 100 रुपए से ज्यादा की अचल संपत्ति से जुड़ी डील के लिए रजिस्ट्री (पंजीयन) जरूरी है। नोटरी से ऐसा करना गलत और अवैध माना जाएगा। अगर आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उसका नोटरी लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। साथ ही उस पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी केस भी दर्ज किया जाएगा।

करंट लगने से 5 साल की बच्ची की मौत

इंदौर। इंदौर के नावदा पंथ क्षेत्र में बुधवार शाम 5 वर्षीय बच्ची पिंकी की करंट लगने से मौत हो गई। पिंकी उर्फ टिंकी अपने माता-पिता के साथ खेत से घर लौट रही थी, तभी रास्ते में जमीन पर पड़े बिजली के तार की

चपेट में आ गई। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि गुरुवार को घटनास्थल का निरीक्षण कर यह जांच की जाएगी कि हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चंदन नगर पुलिस के अनुसार मृतक पिंकी, लोकेश की बेटी थी, लोकेश मजदूरी करता है। बुधवार शाम वह अपनी मां और अन्य परिजनों के साथ खेत से प्याज छांटने के बाद लौट रही थी। बारिश के कारण रास्ता कच्चा और फिसलन भरा हो गया था, इसी दौरान एक खुले पड़े बिजली के तार से उसका पैर टच हो गया।

फिरौती के लिए रचा खुद के अपहरण का ड्रामा

बेटे की जान बचाने पहुंचे पिता, पुलिस ने 4 युवकों को पकड़ा

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक युवक ने तीन लाख रुपए की फिरौती वसूलने के लिए खुद के अपहरण की झूठी कहानी रच दी।

बुधवार को युवक के पिता आनंद यादव थाने पहुंचे और बताया कि उनका बेटा यश राठौर लापता है। उन्होंने कहा कि किसी ने उन्हें वॉट्सऐप कॉल पर तीन लाख की फिरौती मांगी है। पुलिस ने तुरंत एक टीम बनाकर साइबर सेल की मदद ली। जांच करते हुए पुलिस ने सुपर कॉरिडोर इलाके से यश राठौर और उसके तीन दोस्तों को पकड़ लिया।

कार की किस्त चुकाने के लिए बनाया प्लान- एडिशनल डीसीपी रामस्नेही मिश्रा ने बताया कि यश ने कार की किस्त नहीं चुका पाने की वजह से यह झूठी साजिश रची थी। उसके साथ पकड़े गए तीन दोस्त हैं- आदर्श चक्रवर्ती, धर्मेंद्र लोधी और राहुल मेहरा। चारों ने मिलकर यश के पिता से तीन लाख रुपए की फिरौती मांगने का प्लान बनाया था। यश ने अर्टिगा कार किराए पर चलाने के लिए ली थी और माता-पिता को बताया था कि कार नगर निगम में अटैच है। लेकिन गाड़ी से कमाई नहीं हो रही थी और कर्जदार पैसे मांग रहे थे।

इंदौर में प्लॉट सौदे में धोखाधड़ी, दी धमकी

डॉक्टर और साथी ने लिए 36 लाख, रजिस्ट्री से किया इनकार

इंदौर। मूसाखेड़ी इलाके में एक प्लॉट की बिक्री के नाम पर 36 लाख रुपए लेकर रजिस्ट्री न करने के मामले में एक डॉक्टर और उनके साथी के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने डॉक्टर सुधीर खेतावत और रामकृष्ण अग्रवाल के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आजाद नगर पुलिस के अनुसार, ब्रजेश्वरी एक्सटेंशन स्कीम नंबर 140 मेन रोड निवासी ऋषभ बापना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने अक्षर धारम समिति मूसाखेड़ी में एक प्लॉट 36 लाख रुपए में खरीदा था। सौदा तय होने के बाद पूरी रकम आरोपियों को दे दी गई, लेकिन उन्होंने प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं कराई। बार-बार टालने के बाद अब आरोपियों ने धमकी देना शुरू कर दिया। डॉ. सुधीर खेतावत, निवासी वायएन रोड, नीलकमल टॉकीज कंपाउंड रोड और उनके साथी रामकृष्ण अग्रवाल, निवासी जलवायु विहार सेक्टर कंपाउंड रोड के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकाने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

पहले पिता ने खरीदा था प्लॉट, अब बेटे को मिलना था कब्जा

पीड़ित ऋषभ बापना प्रॉपर्टी से जुड़ा काम करते हैं। उन्होंने बताया कि यह प्लॉट उनके पिता ने अमृता गृह निर्माण संस्था के माध्यम से खरीदा था। पिता की मृत्यु के बाद यह संपत्ति उनकी मां के नाम हो गई। लेकिन उनकी तबीयत भी खराब रहने लगी, तो प्लॉट की रजिस्ट्री और कब्जे को लेकर उन्होंने डॉक्टर सुधीर खेतावत से संपर्क किया। डॉक्टर खेतावत ने शुरू में टालमटोल की और बाद में कहा कि प्लॉट के मालिक रामकृष्ण अग्रवाल की तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए रजिस्ट्री में देरी हो रही है। लेकिन जब कुछ दिन पहले ऋषभ ने दोबारा संपर्क किया, तो डॉक्टर खेतावत ने उन्हें जान से मारने की धमकी दे दी। आजाद नगर थाना पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि रकम लेने के बाद रजिस्ट्री क्यों नहीं की गई और क्या इस मामले में और लोगों से भी इसी तरह की धोखाधड़ी की गई है।

पुलिस से बचने आरोपी भागा, गिरने से पैर फैक्चर

महिला की शिकायत पर टीआई लाइन अटैच

इंदौर। लिव इन में रह रही महिला से मारपीट करने के मामले में आरोपी रोहित मराठा को गिरफ्तार करने गई पुलिस को देखकर आरोपी ने दौड़ लगा दी और गिरने से उसका पैर फैक्चर हो गया। जिस पर प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं महिला से मारपीट की एफआईआर लिखने में लापरवाही बरतने पर टीआई राहुल राजपूत को लाइन अटैच किया गया है। मामला द्वारकापुरी इलाके का है। रोहित यहां एक महिला के साथ लिव-इन में रह रहा था। दो महीने पहले हुए विवाद में उसने महिला की एक्टिवा जला दी थी। बीते रविवार को वह फिर महिला के घर पहुंचा और दरवाजे पर लात मारते हुए तोड़फोड़ व मारपीट की। सोमवार को पीड़िता शिकायत लेकर द्वारकापुरी थाने पहुंची, लेकिन वहां मौजूद एएसआई रामगोपाल वर्मा ने उसकी बात नहीं सुनी। जब

मामला डीसीपी ऋषिकेश मीना तक पहुंचा तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए टीआई राहुल राजपूत को थाने से हटाया। इसके बाद महिला की शिकायत पर आरोपी रोहित मराठा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। बुधवार को पुलिस को आरोपी रोहित मराठा की लोकेशन मिली। पुलिस उसे पकड़ने गई, तो बचने के लिए उसने दौड़ लगा दी। इसीबीच उसका पैर फिसला और वह गिर गया। जिससे पैर फैक्चर हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां प्लास्टर चढ़ने के बाद गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया। रोहित मराठा पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। पहले वह पलासिया क्षेत्र में सक्रिय था और हाल ही में द्वारकापुरी इलाके में रहने लगा था।

नाबालिगों से यौन शोषण के आरोपी की एकेडमी अवैध

इंदौर में बिना अनुमति बने पेंट हाउस में चलती थी शूटिंग रेंज, निगम का नोटिस मिला

इंदौर। शूटिंग एकेडमी की आड़ में हिंदू लड़कियों और महिलाओं से यौन शोषण के आरोपी मोहसिन खान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को उसके खिलाफ एक और धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की गई है। अब उस पर 4 रेप-छेड़छाड़ और 2 धोखाधड़ी के प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस ने मोहसिन को 7 दिन की रिमांड पर लिया है। मामले की जांच एसआईटी कर रही है। इस बीच, जिस बिल्डिंग के टॉप फ्लोर पर वह अपनी एकेडमी चलाता था, उसे लेकर नगर निगम ने एक और नोटिस जारी किया है। नोटिस में बताया है कि एक शिकायत की जांच में पता चला है कि टॉप फ्लोर पर पेंट हाउस बनाया गया है, जिसकी अनुमति नहीं ली गई है। यानी यह अवैध है। गुरुवार को उसकी नपती की जानी थी लेकिन नगर निगम की टीम नहीं पहुंची। इधर, भवन मालिक ने भी मीडिया से चर्चा नहीं की। बताया जा रहा है कि इस मामले में भवन मालिक कोर्ट गए थे, जहां से स्टे लेकर आ गए हैं। संभवतः इसके चलते निगम की

टीम नपती करने नहीं पहुंची। इस मामले में जोन 21 के निगम अधिकारियों से बात करने का भी प्रयास किया, लेकिन उन्होंने कॉल नहीं उठाया। इससे पहले नगर निगम ने 23 मई को एकेडमी के बाहर पहला नोटिस चस्पा किया था। दरअसल, यह बिल्डिंग नगर निगम के जोन 21 में आती है। जिस पर नगर निगम ने नोटिस चस्पा किया था और निर्मित भवन, भूस्वामित्व एवं भवन अनुज्ञा स्वीकृति संबंधी दस्तावेज और नक्शा प्रस्तुत करने के लिए कहा था। इसके लिए तीन दिन का समय भी दिया था।

28 को दूसरा नोटिस, अवैध मिला पेंट हाउस

नगर निगम ने दूसरा नोटिस 28 मई को जारी किया है, जिसमें लिखा है, आपके सिल्वर ऑक्स कॉलोनी के भूखंड 21, 22 के टैरेस पर अवैध रूप से पेंट हाउस निर्माण के संबंध में शिकायत मिली है। आपसे अनुमति, स्वीकृति, ओनरशिप संबंधी डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध करने के लिए सूचना पत्र जारी किया गया था। तब आपने 15 दिन का समय मांगा था। उस भूखंड के दस्तावेजों का नगर निगम ने परीक्षण किया है, जिसमें पाया कि पेंट हाउस के लिए अनुमति या स्वीकृति जारी नहीं की गई है। ऐसे में वह अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है।

संपादकीय

किसान हितैषी सियासी फैसला

मोदी सरकार ने किसान का सीजन शुरू होने के पहले ही 14 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा करके जहां किसानों के हित में फैसला लिया है, वहीं इसके राजनीतिक लाभ को भी ध्यान में रखा है। क्योंकि सरकार ने यह निर्णय किसान नेता भारत रत्न चौधरी चरणसिंह की पुण्यतिथि के एक दिन पहले लिया। इसके जरिए किसानों और खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को एक संदेश देने की कोशिश की गई है। मोदी सरकार ने बुवाई शुरू होने के पहले ही एमएसपी का ऐलान कर किसानों को बाजार की मांग और भाव के मुताबिक फसल बोना आसान कर दिया है। एमएसपी दरअसल वह तयशुदा मूल्य होता है, जो किसानों को बाजार में उनकी उपज के मूल्य से अप्रभावित रहते हुए दिया जाता है। इसके पीछे सोच यही होती है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। इसीलिए, फसलों के हर मौसम से पहले सरकार कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसपी) की सिफारिश पर एमएसपी तय करती है। ताजा निर्णय के तहत सामान्य धान की एमएसपी में 69 रुपये की बढ़ोतरी कर इसे 2369 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, जबकि तुअर दाल की एमएसपी में 450 रुपये की उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। इसके अतिरिक्त ज्वार, बाजरा और रागी इत्यादि फसलों की एमएसपी भी बढ़ा दी गई है। यह वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम डेढ़ गुना के स्तर पर तय करने की बात थी। एमएसपी में वृद्धि की यह घोषणा इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह ऐसे समय में की गई है, जब किसान बढ़ती लागत, असामान्य मौसमी प्रवृत्तियों और बाजार की अस्थिरता से जूझ रहे हैं। अच्छी बात यह है कि सरकारों ने पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए कृषि बजट में लगातार वृद्धि की है। अक्सर देखा गया है कि एमएसपी में वृद्धि का फायदा बड़े किसानों या बिचौलियों तक सीमित रह जाता है। ऐसे में यह समझने की भी जरूरत है कि एमएसपी में बढ़ोतरी की घोषणा तभी सार्थक साबित होगी, जब इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। इसके लिए सरकार को पारदर्शी खरीद तंत्र, बेहतर भंडारण सुविधाओं और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत है। बहरहाल, कैबिनेट का यह निर्णय यकीनन किसानों के लिए एक राहत भरा कदम है, लेकिन इसके साथ ही सरकार को दीर्घकालिक कृषि सुधारों पर भी ध्यान देना होगा। किसानों की आय व उत्पादकता में वृद्धि के लिए सिंचाई, गुणवत्तापूर्ण बीज, तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण पर तो गौर करना होगा ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिहाज से भी यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि किसान को उसकी मेहनत का उचित मूल्य मिले। सरकार की इस घोषणा से यकीनन किसानों को राहत मिलेगी, लेकिन उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले, इसके लिए घोषणा के प्रभावी क्रियान्वयन के अलावा दीर्घकालिक कृषि सुधारों पर भी ध्यान देना होगा। केन्द्र सरकार द्वारा कृषि सुधार के लिए लाए गए तीन कानूनों को किसान आंदोलन के बाद वापस लेने के बाद कृषि क्षेत्र में सुधार ठप पड़ गए हैं, जिन्हें आगे बढ़ाने की बहुत ज्यादा जरूरत है। क्योंकि अगर समय रहते कृषि सुधारों पर ध्यान नहीं दिया गया तो देश में खाद्यान्न उत्पादन स्थिर हो सकता है। भारत सहित पूरे विश्व में हो रहे जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर भी कृषि क्षेत्र का पुनरीक्षण जरूरी है। मौसम के बदलते चक्र और बारिश की अनिश्चितता को ध्यान में रखकर ही अब फसलें बोना होंगी। उनका उत्पादन बढ़ाने, बाजार उपलब्ध कराने तथा वैश्विक बाजार में भारतीय खाद्यान्नों की मांग व पूर्ति कायम रखना बेहद जरूरी है।

दो सौ वर्ष बाद हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियां

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर हैं।

पत्रिकाओं के संपादक को नाना प्रकार के कष्ट दिए गए लेकिन मूल्यों से न उन्होंने समझौता किया और न ही पत्रिका की साख को गिरने दिया। यह एक ऐतिहासिक हिंदी पत्रकारिता का समय काल है जिससे इतिहास के पन्ने गौरवान्वित होते हैं। भारत का कोई भी पत्रकार अपने उन्हीं क्षणों पर गर्व कर सकता है जिसे जीवट से योद्धा लादे हैं। हिंदी पत्रकारिता जगत के संपादक भी हमारे योद्धा थे जिन्हें अपनी चिंता नहीं थी। उन्हें तो राष्ट्र प्रथम था। उनके हृदय में भारत की आज़ादी पहले प्राथमिकता में थी। मिशनरी होकर पत्रकारिता कैसे की जाती है, उसे कोई उन दिनों के पत्रकारों, संपादकों और लेखकों से समझ सकता है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष हो गए। भारत के हिंदी पत्रकारों का अपना वैशिष्ट्य रहा है। 30 मई 1826 को हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा मानी जाती है। पण्डित जुगलकिशोर मिश्र जैसा साहसी, गंभीर व्यक्तित्व जिसने हिंदी पत्रकारिता की नई लकीर खींची उसे आज भी पत्रकारिता जगत के लोग बहुत आदर के साथ स्मरण करते हैं। हिंदी पत्रकारिता का साहित्याकाश बहुत बड़ा हुआ। औपनिवेशिक सभ्यता ने इसका लोहा माना। यदि ऐसा कहें कि अंग्रेजी सरकार हिंदी पत्रकारिता से हिल गयी तो कोई अतिश्योक्तिपूर्ण बात न होगी। बहुत से हिंदी पत्र, पत्रिकाओं के ज़ब्त होने की कहानियां हिंदी पत्रकारिता को मजबूत कीं। उन्हें पहचान दीन और मजबूती व साहस के साथ आगे बढ़ने का ज़ज्बा दिया। मूल्यों पर आधारित उन दिनों की पत्रकारिता को इसीलिए अंग्रेजी सरकार सह नहीं सही और उन्हें ज़ब्त भी किया अन्यथा औपनिवेशिक सभ्यता ज़ब्त करने का आदेश न देती।

पत्रिकाओं के संपादक को नाना प्रकार के कष्ट दिए गए लेकिन मूल्यों से न उन्होंने समझौता किया और न ही पत्रिका की साख को गिरने दिया। यह एक ऐतिहासिक हिंदी पत्रकारिता का समय काल है जिससे इतिहास के पन्ने गौरवान्वित होते हैं। भारत का कोई भी पत्रकार अपने उन्हीं क्षणों पर गर्व कर सकता है जिसे जीवट से योद्धा लादे हैं। हिंदी पत्रकारिता जगत के संपादक भी हमारे योद्धा थे जिन्हें अपनी चिंता नहीं थी। उन्हें तो राष्ट्र प्रथम था। उनके हृदय में भारत की आज़ादी पहले प्राथमिकता में थी। मिशनरी होकर पत्रकारिता कैसे की जाती है, उसे कोई उन दिनों के पत्रकारों, संपादकों और लेखकों से समझ सकता है।

आज़ादी मिलने के बाद हिंदी पत्रकारिता में रूचि लेने वाले लोग पत्रकारिता के प्रोफेशनल पत्रकार नहीं थे। वे अपनी पत्रकारिता के मिशन को समझते ज़रूर थे। उन्होंने जर्नलिज्म की कोर्स नहीं की लेकिन जो लकीर उन दिनों पत्रकारिता में खींची गयी, उसकी शान ही कुछ और रही, है और रहेगी। वे समर्पण के साथ पत्रकारिता करने वाले लोग थे। वे समस्या को समझते थे। वे वास्तविकता को समझते। वे सत्य के साथ थे। वे किसी के लिए कार्य नहीं करते थे। वे केवल देश हित, समाज हित में कार्य करते थे। गणेशशंकर विद्यार्थी, प्रताप नारायण मिश्र, महात्मा गाँधी, आंबेडकर जैसे लोगों का ही नाम लोग प्रायः पत्रकारिता के गौरव बोध के लिए बता देते हैं लेकिन हिंदी पत्रकारिता का इतिहास ऐसे अनेक समर्पित लोगों से पटा पड़ा है जिसे आज फिर से देखने की आवश्यकता है। हमारे देश के पत्रकारिता को पढ़ाने-लिखाने वाले लोग भी अब नए विमर्श में पड़ गए लेकिन उन दिनों के पत्रकारों पर पढ़ने-पढ़ाने को तैयार हुए ही नहीं।

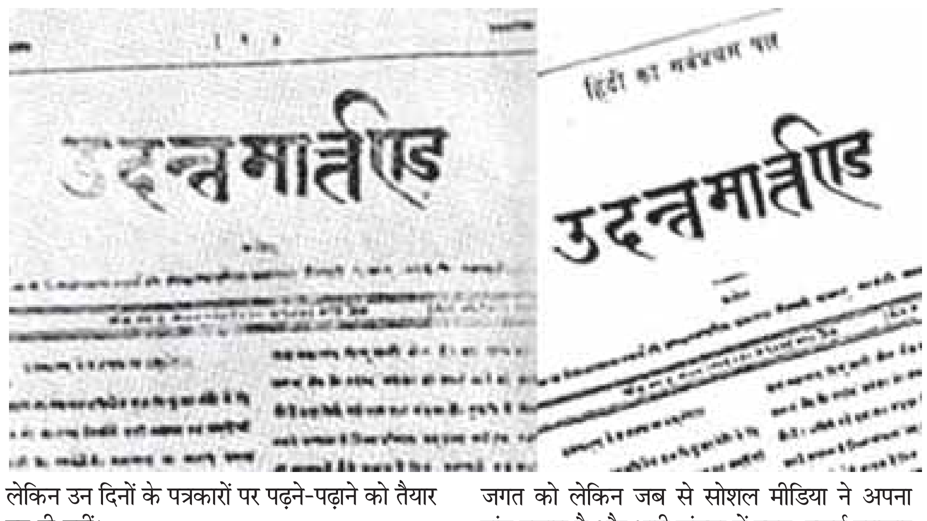

वैसे भी आज पत्रकारिता का जो हाल है वह बहुत बेचैन कर देने वाला है। देश के मानिंद पत्र व पत्रिकाओं के लिए नए प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं लेकिन वे प्रतिमान कुछ अजीब से हैं। वे अपने तरह के अद्वितीय हैं लेकिन यह सही है कि उन पर भारत की आने वाली पीढ़ी कभी गर्व नहीं करेगी। देश में हिंदी पत्रकारिता पर गर्व करने के लिए यदि कार्य ही नहीं होगा तो गर्व लोग करेंगे कैसे? आज़ादी के बाद हिंदी पत्रकारिता का अपने नए लिवास को तब प्राप्त कर सकी जब देश में आपातकाल आया। उस समय भी हिंदी भाषा में कार्य करने वाले पत्रकारों, संपादकों और स्थानीय पत्रकारों के जज्बे को देखा जा सकता है। सही बात यही है कि आपातकाल ने भी हिंदी पत्रकारिता को नए तरह से स्थापित किया लेकिन हिंदुस्तान को यह जानना ज़रूरी है कि उस समय तक पत्रकारिता करने वाले लोग अपनी रुचियों से पत्रकारिता कर रहे थे वे किसी बड़े मदिया संसथान के प्रोडक्ट के रूप में कार्य नहीं कर रहे थे।

दो पड़ाव और महत्वपूर्ण हैं भारतीय पत्रकारिता के एक 1990 के पहले का भारत और उसके बाद का दूसरा भूमंडलीकरण के बाद की पत्रकारिता का। ये सब भारत के लिए अहम् हैं और इस काल ने नए तरह से उद्वेलित किया आमजनमानस को और पत्रकारिता जगत को लेकिन जब से सोशल मीडिया ने अपना पांव पसारा है और भारी संख्या में स्वतः स्फूर्त पत्रकार पत्रकारिता करने लगे हैं इससे मीडिया हाउस से आये पत्रकार भी डर गए हैं। अख़बारों के कंटेंट क्या बनें, यह संपादक के लिए चुनौती है आज। छपकर आने वाली चीजों से पहले यूट्यूबर व लाइव रहने वाले बहुत कुछ कह चुके होते हैं। हलाकि यह हर भाषा में पत्रकरिता करने वाले लोगों की चुनौती है लेकिन हिंदी पत्रकारिता जो कि आज पूरी तरह से भारतीय राजनीति को प्रभावित करती है, वहां प्रिंट मीडिया चुनौती का सामना बहुत बुरी तरह से कर रही है। इलेक्ट्रानिक मीडिया का तो हाल ही कहने योग्य नहीं है। इसमें बहुत बड़े पैमाने पर झोल चल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब मीडिया के मृत्यु की घोषणा हो रही है। हिंदी पत्रकारिता के लिए यह शर्मनाक समय बताया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के समय मीडिया हाउस के शोर और भारत की इज्जत की वाट लग गयी। विदेशों में हिंदी पत्रकारिता की जितनी इस बीच खिल्लियाँ उड़ाई गयी, बहुत ही चिंताजनक है। देश के ये पत्रकार जो विभिन्न मीडिया हाउस में पत्रकारिता की डिग्रियां लेकर काम करने आये हैं वे किसके लिए कार्य कर रहे हैं, वे किस नैतिकता के साथ कार्यकर रहे हैं, यह आज बताने की स्थिति में देश का कोई व्यक्ति नहीं है। क्या इन्हें इतने बड़े मीडिया संस्थान से यही डिग्रियां दी गयीं? क्या इन्हें प्रोपोगंडा मानव संसाधन के रूप में तैयार किया गया? क्या ये मशीन हैं लोग? क्या इनमें संवेदना केवल अपनी खुराक के लिए है? इन्हें सही और गलत का क्या सच में एहसास नहीं है? हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष बाद इतना बड़ा सवाल देश के सामने खड़ा हो गया है, इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

देश का आज मीडिया तंत्र इतना बीमार हो चुका है। देश का यह मीडिया तंत्र अपने पूर्वजों को चिढ़ा रहा है। अपने पूर्वजों का मज़ाक उड़ा रहा है। यह बीमारू पत्रकारिता कैसे ठीक होगी, समझ में नहीं आता। कॉर्पोरेट जगत का आधिपत्य मनुष्य के मन, मानस को इतना विकृत कर देंगे, यह सोचा नहीं होगा किसी ने। सच यही है कि लोग कहते थे कि झूठ एक समय आएगा ऐसा कि बलवान होकर हंसेगा और सच निःशब्द होकर अपने लिए प्रार्थना करेगा। हिंदी पत्रकारिता का इतिहास आज इस जटिल अवस्था का सामना कर रहा है। भारत को गर्त में ले जाने के लिए टीवी शो में कार्य कर रहे पत्रकार तैयार हैं। उन्हें अपने लिए फिक्र है पर उन्हें अपने आने वाले समय में मूल्यांकन के बाद प्रतिक्रिया का कोई फिक्र नहीं है। विगत कुछ वर्ष पहले दो पत्रकारों को नेबल शांति पुरस्कार दिया गया था। हिंदी पत्रकारिता के ये पत्रकार जिस प्रकार से अपनी प्रैक्टिस कर रहे हैं, उन्हें भी उनके अपमान स्वरूप ऐसे पुरस्कार अब दे दिए जाने चाहिए। सब मिलाकर देखा जाए तो अब सच में हिंदी पत्रकारिता पर ही नहीं संपूर्ण मीडिया प्रैक्टिस पर रोना आ रहा है। बिल्कुल भिन्न सोच का समाज खड़ा हो चुका है। भय है। बहुत बड़ा संकट है। ऐसे में हमारे देश के जो लोग 200 वर्ष बाद मीडिया के अपने इतिहास पर गाव करें, उन्हें यह सोचना है कि अब हम कैसे बचें और अपने मीडिया को बचाएं।

'देशहित' से ही बचेगी पत्रकारिता की साख

हिंदी पत्रकारिता दिवस विशेष

लोकेन्द्र सिंह

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।

हिंदुस्तानियों के हित के हेत' इस उद्देश्य के साथ 30 मई, 1826 को भारत में हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी जाती है। पत्रकारिता के अधिष्ठाता देवर्षि नारद के जयंती प्रसंग (वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया) पर हिंदी के पहले समाचार-पत्र 'उदंत मार्तंड' का प्रकाशन होता है। इस सुअवसर पर हिंदी पत्रकारिता का सूत्रपात होने पर संपादक पंडित युगलकिशोर समाचार-पत्र के पहले ही पृष्ठ पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए उदंत मार्तंड का उद्देश्य स्पष्ट करते हैं। आज की तरह लाभ कमाना उस समय की पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं था। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व प्रकाशित ज्यादातर समाचार-पत्र आजादी के आंदोलन के माध्यम बने। अंग्रेज सरकार के विरुद्ध मुखर रहे। यही रुख उदंत मार्तंड ने अपनाया। अत्यंत कठिनाईयों के बाद भी पंडित युगलकिशोर उदंत मार्तंड का प्रकाशन करते रहे। किंतु, यह संघर्ष लंबा नहीं चला। हिंदी पत्रकारिता के इस बीज की आयु 79 अंक और लगभग डेढ़ वर्ष रही। इस बीज की जीवटता से प्रेरणा लेकर बाद में हिंदी के अन्य समाचार-पत्र प्रारंभ हुए। आज भारत में हिंदी के समाचार-पत्र सबसे अधिक पढ़े जा रहे हैं। प्रसार संख्या की दृष्टि से शीर्ष पर हिंदी के समाचार-पत्र ही हैं। किंतु, आज हिंदी पत्रकारिता में वह बात नहीं रह गई, जो उदंत मार्तंड में थी। संघर्ष और साहस की कमी कहीं न कहीं दिखाई देती है। दरअसल, उदंत मार्तंड के घोषित उद्देश्य 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' का अभाव आज की हिंदी पत्रकारिता में दिखाई दे रहा है। हालाँकि, यह भाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन बाजार के बोझ तले दब गया है। व्यक्तिगत तौर पर मैं मानता हूँ कि जब तक अंश मात्र भी 'देशहित' पत्रकारिता की प्राथमिकता में है, तब तक ही पत्रकारिता जीवित है। आवश्यकता है कि प्राथमिकता में यह भाव पुष्ट हो, उसकी मात्रा बढ़े। समय आ गया है कि एक बार हम अपनी पत्रकारीय यात्रा का सिंहावलोकन करें। अपनी पत्रकारिता की प्राथमिकताओं को जरा टटोलें। समय के थपेडों के साथ आई विसंगतियों को दूर करें। समाचार-पत्रों या कहें पूरी पत्रकारिता को अपना अस्तित्व बचाना है, तब उदंत मार्तंड के उद्देश्य को आज फिर से अपनाना होगा। अन्यथा सूचना के डिजिटल माध्यम बढ़ने से समूची पत्रकारिता पर अप्रासंगिक होने का खतरा मंडरा ही रहा है।

असल में आज की पत्रकारिता के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां मुंहबांए खड़ी हैं। यह चुनौतियां पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से डिगने के कारण उत्पन्न हुई हैं। पूर्वजों ने जो सिद्धांत और मूल्य स्थापित किए थे, उनको साथ लेकर पत्रकारिता मिशन से प्रोफेशन की ओर जाती, तब संभवतः कम समस्याएं आतीं। क्योंकि मूल्यों और सिद्धांतों की उपस्थिति में प्रत्येक व्यवसाय में मर्यादा और नैतिकता का ख्याल रखा जाता है। किंतु, जैसे ही हम तय सिद्धांतों से हटते हैं, मर्यादा को लांघते हैं, तब स्वाभाविक तौर पर चुनौतियां सामने आने लगती हैं। नैतिकता के प्रश्न भी खड़े होने लगते हैं। यही आज मीडिया के साथ हो रहा है। मीडिया के समक्ष अनेक प्रश्न खड़े हैं। स्वामित्व का प्रश्न। भ्रष्टाचार का प्रश्न। मीडिया संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों के शोषण, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रश्न हैं। वैचारिक पक्षधरता के प्रश्न हैं। 'भारतीय भाव' को तिरोहित करने का प्रश्न। इन प्रश्नों के कारण उत्पन्न हुआ सबसे बड़ा प्रश्न- विश्वसनीयता का है।

यह सब प्रश्न उत्पन्न हुए हैं पूँजीवाद और कम्युनिज्म के उदर से। सामान्य-सा फलसफा है कि बड़े लाभ के लिए बड़ी पूँजी का निवेश किया जाता है। आज अखबार और न्यूज चैनल का संचालन कितना महंगा है, हम सब जानते हैं। अर्थात् मौजूदा दौर में मीडिया पूँजी का खेल हो गया है। एक समय में पत्रकारिता के व्यवसाय में पैसा 'बाय प्रोडक्ट' था। लेकिन, उदारीकरण के बाद बड़ा बदलाव मीडिया में आया है। 'बाय प्रोडक्ट' को प्रमुख मान कर अधिक से अधिक धन उत्पन्न करने के लिए धन्नासेठों ने समाचारों का ही व्यवसायीकरण कर दिया है। यही कारण है कि मीडिया में कभी जो छुट-पुट भ्रष्टाचार था, अब उसने संस्थागत रूप ले लिया है। वहीं, कम्युनिस्टों ने अपनी विचारधारा के प्रसार और भारतीयता को कमजोर करने के लिए पत्रकारिता को एक साधन के रूप में अपनाया। आज भी मीडिया में कम्युनिस्टों की पकड़ साफ दिखायी देती है। इसलिए वे जब चाहते हैं, भारत विरोधी विमर्श खड़े कर देते हैं।

इस्लामिक आक्रामकता पर पर्दा डालने और हिन्दुओं को सांप्रदायिक सिद्ध करने में कम्युनिस्ट पत्रकारों ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया है। अभी हाल ही में भोपाल में 'लव जिहाद' का बड़ा मामला सामने आया, जिसमें आरोपी मुस्लिम लड़के भी स्वीकार कर रहे हैं कि हिन्दू लड़कियों को धोखे स फंसाना और उनका यौन शोषण करना, उनके लिए सवाब का काम है। जब हिन्दी के प्रमुख समाचारपत्रों ने मुस्लिम लड़कों की इस स्वीकारोक्ति को प्रकाशित किया, तब कम्युनिस्ट माइंडसेट के मीडियाकर्मियों को बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपने संस्थानों के डिजिटल एवं प्रिंट संस्थानों में इसके खिलाफ लिखना शुरू कर दिया। मतलब सच सामने नहीं आना चाहिए। भले ही हिन्दू लड़कियां मजहबी दरिंदों का शिकार होती रहें। पता नहीं उन्हें सच्ची बात लिखना, सांप्रदायिकता और मुस्लिम विरोध क्यों लगता है? इस्लामिक अपराध पर पर्दा डालने के लिए इसी प्रकार के कम्युनिस्ट एक से बढ़कर एक चालाकियां दिखाते हैं। जब कोई मौलवी दुष्कर्म या किसी आपराधिक कृत्य में पकड़ा जाता है, तब ये उसके लिए मौलवी या औलिया नहीं अपितु साधु या बाबा शब्द का उपयोग करते हैं। लोगों को इसी प्रकार भ्रमित करने की पत्रकारिता कम्युनिस्टों ने की है। हिन्दुओं की मॉब लिंचिंग के समाचार को सिंगल कॉलम में कहीं छिपा दिया जाता है, जबकि मुस्लिम व्यक्ति की मॉब लिंचिंग पर भारत से लेकर अमेरिका तक के समाचारपत्रों के प्रथम पृष्ठ से लेकर संपादकीय पृष्ठ तक रच दिए जाते हैं। यह दोहरा आचरण ही दोनों समुदायों के बीच नफरत फैलाता है।

ऐसे ही कुछ तथाकथित विद्वानों ने यह भ्रम भी पैदा कर दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की भूमिका विपक्ष की है। जिस प्रकार विपक्ष ने हंगामा करने और प्रश्न उछालकर भाग खड़े होने को ही अपना कर्तव्य समझ लिया है, ठीक उसी प्रकार कुछ पत्रकारों ने भी सनसनी पैदा करना ही पत्रकारिता का धर्म समझ लिया है। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की विराट भूमिका से हटाकर न जाने क्यों पत्रकारिता को हंगामाखेज विपक्ष बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है? यह अवश्य है कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए चारों स्तम्भों को परस्पर एक-दूसरे की निगरानी करनी है। पत्रकारिता को भी सत्ता के कामकाज की समीक्षा करनी है और उसको आईना दिखाना है। हम पत्रकारिता की इस भूमिका को देखते हैं, तब हमें वह हंगामाखेज नहीं अपितु समाधानमूलक दिखाई देती है। भारतीय दृष्टिकोण से जब हम संचार की परंपरा को देखते हैं, तब प्रत्येक कालखंड में संचार का प्रत्येक स्वरूप लोकहितकारी दिखाई देता है। संचार का उद्देश्य समस्याओं का समाधान देना रहा है।

पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए- देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए। हमारी कलम से निकल बहने वाली पत्रकारिता की धारा भारतीय स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा के विरुद्ध न हो। कहने का अभिप्राय इतना-सा है कि हमारी पत्रकारिता में 'राष्ट्र सबसे पहले' का भाव जागृत होना चाहिए। वर्तमान पत्रकारिता में इस भाव की अनुपस्थिति दिखाई दे रही है। यदि पत्रकारिता में 'राष्ट्र सबसे पहले' का भाव जाग गया तब पत्रकारिता के समक्ष आकर खड़ी हो गईं ज्यादातर चुनौतियां स्वतः ही समाप्त हो जाएंगी। हिंदी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तंड का जो ध्येय वाक्य था- 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत'। अर्थात् देशवासियों का हित-साधन। यही तो 'राष्ट्र सबसे पहले' का भाव है। समाज के सामान्य व्यक्ति के हित की चिंता करना। उसको न्याय दिलाना। उसकी बुनियादी समस्याओं को हल करने में सहयोगी होना। न्यायपूर्ण बात कहना।

भारत के लिए युद्ध हमेशा अंतिम विकल्प

दृष्टिकोण

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

भारतीय सनातन सभ्यता में ऐसे कई प्रसंग एक जैसे दर्ज हैं, जिन्हें देखकर और पढ़कर ऐसा प्रतीत होता रहा है मानो इतिहास स्वयं को दोहरा रहा हो। अनेक कालखंडों में, दशकों में, सदियों में और युगों में, हमने कई घटनाएं ऐसी पढ़ी हैं, जिनके अध्ययन उपरांत ऐसा लगता है जैसे आज जो हमारे रूबरू है उसे पहले भी कहीं और पहले भी देखा जा चुका है। उदाहरण के लिए हम भारत और पाकिस्तान के बीच स्थाई रूप से व्याप्त बने हुए तनाव को ले सकते हैं। आजादी के बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है और भारत की ओर से जिस प्रकार से संयम, धैर्य का प्रदर्शन किया जा रहा है, यह हमें द्वापर युगीन कौरवों की अति और भगवान कृष्ण की सहृदयता का स्मरण कराता हैं।

जब कौरवों के षड्यंत्रों को पूरी तरह विफल करते हुए पांडव अपना अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रयासरत थे। तब उनके नेतृत्वकर्ता के रूप में भगवान कृष्ण ने यह निर्णय लिया कि हमें अंत तक युद्ध के अलावा उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ऐसा ही हुआ, भगवान कृष्ण ने शांति दूत के रूप में हस्तिनापुर गमन किया और वहां उपस्थित दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र सहित समस्त कुरुवंशियों को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का सहज समाधान नहीं हो सकता। इससे राज सत्ता पर अधिपत्य जमाए रखने की आकांक्षा पाले बैठे लोगों की तुष्टि भले ही होती हो, लेकिन अनिष्ट प्रजा का ही होता है।

वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंततः युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था। मोदी जानते हैं कि पाकिस्तानी राजनेता और वहां की सेना भारत विरोधी एजेंडे को ही लंबे समय तक सत्ता पर काबिज बने रहने का जरिया मान कर बैठे हुए हैं। यही कारण है कि उन्होंने पाकिस्तानी अवाम का भला चाहते हुए उसे भी आगाह किया है कि वह अपना भला बुरा समझे और दुनिया भर में आतंकवाद को निर्यात करने वाले वहां के नेताओं, हुक्मरानों तथा सेना की नापाक हरकतों को पहचानें, समय रहते उन्हें वास्तविकता का एहसास कराते हुए उन्हें भारत में आतंकवाद निर्यात करने के गलत रास्ते पर जाने से रोकें। यदि पाकिस्तानी अवाम के ईमानदार प्रयास हुए तो संभव है वह आने वाले समय में भारतीय सदाव्यता के चलते भुखमरी, कंगाली और निकट भविष्य में सन्निद्ध गृह युद्ध जैसी विभीषिका से स्वयं को बचा सकेगा। अब निर्णय पाकिस्तान को करना है कि उसे अपनी अवाम का पेट भरने के लिए रोटी की उपलब्धता उचित लगती है या फिर भारतीय सेना की गोलियों से मरना ज्यादा अच्छा लगता है।

भारत के शत्रु देश और दुनिया के स्वयंभू ठेकेदार हमें और हमारी सेना को भी युद्ध के सुनियोजित जाल में उलझाने की तैयारी कर चुके थे। लेकिन दूरगामी परिणामों को पूर्व में ही भांप लेने की योग्यता रखने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से यह षड्यंत्र छुप ना सका। उन्होंने पहलगाम का बदला भी लिया और कुछ ही घंटों में मामले को अंजाम तक पहुंचा कर दुश्मन को सफेद झंडा लहराने को विवश कर दिया।

पाकिस्तान इस दंडात्मक प्रक्रिया से हुए नुकसान और विश्व बिरादरी में हुई किरकिरी के बाद इन घटनाओं से सबक लेगा, इसकी संभावनाएं तो कम ही हैं फिर भी हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि उसे सद्बुद्धि प्राप्त हो ताकि वह भारत का बुरा करने के सपने देखने की बजाय अपना और अपनी अवाम का भला करने के बारे में सोचना शुरू कर दे। क्योंकि इसी में पाकिस्तान और वहां की आवाम की भलाई निहित है। आगे स्वयं पाकिस्तान को निश्चित करना है कि उसे रोटी चाहिए या फिर भारतीय सेना की गोली।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

हमारी हैसियत फ्रांस के राष्ट्रपति से भी ज्यादा

व्यंग्य

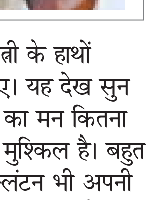

मुकेश नेमा

लेखक प्रशासनिक अधिकारी हैं।

स के राष्ट्रपति अपनी वयोवृद्ध पत्नी के हाथों सार्वजनिक रूप ये चपतियाए गए। यह देख सुन कर हज़ारों हजार भारतीय पतियों का मन कितना हल्का हो गया है ये बयान करना मुश्किल है। बहुत पहले खबर आई थी कि बिल क्लिंटन भी अपनी बीबी के हाथों पिटा करते थे। उनका फ्रांस के राष्ट्रपति की तरह सार्वजनिक अभिनंदन तो नही हुआ कभी पर उनकी पत्नी उनका सम्मान उन दिनों भी करती रही जब वे अमेरिका के राष्ट्रपति हुआ करते थे।

राष्ट्रपति दुनिया के सबसे ताक़तवर आदमी होते हैं। इसके बावजूद ये दोनों सज्जन पिटे। इसलिए पिटे क्योंकि वो राष्ट्रपति होने के अलावा अपनी पत्नी के पति भी थे। फ्रांस वाले क्यों पिटे ये बात अब तक साफ हो नही सकी है पर बहुत से लोगों का मानना है कि ये एक टीचर और स्टुडेंट के बीच का मामला है और इसे गंभीरता से नही लेना चाहिये। क्लिंटन इसलिये पिटे क्योंकि उनकी धर्मपत्नी को यह विश्वास था कि वे उनके अलावा और भी कई सुंदर स्त्रियों के पति होने की ,पति सा होने की चेष्ठा कर रहे थे।वे इतनी सी बात पर पर पिटे और पिटने से ज्यादा बुरी बात यह कि इस बात की दुनिया को खबर भी हो गई।

मुझे नही लगता कि इस प्रकार की सांस्कृतिक अभिरूचियों में अमेरिकी और फ्रांसीसी हम हिंदुस्तानियों के आसपास भी ठहर सकेंगे। सच बात तो यह कि भारतीय पति पीटे जाने के लिये अत्यन्त सुयोग्य पात्र हुआ करते है। इसके बावजूद भारतीय पति प्रायः अपनी पत्नियों के हाथो नहीं पीटे जाते। भारतीय पत्नियाँ अपने पतियों के साथ थोडी अधिक उदार है। आमतौर पर वे मारपीट पर उतारू नही होती। भारतीय पत्नियों में रो धो कर,कुढ़ते हुये स्थिति स्वीकार कर लेने का रिवाज हैं। अपवाद स्वरूप किसी वीरांगना के लिये अपने पति को पीटा जाना अपरिहार्य हो भी उठे तो वे पीटने के बाद उसके गीत नही गाती। यदि किसी दुष्ट रिश्तेदार या पड़ौसी की वजह से यह खबर जगज़ाहिर हो भी जाए तो वे ऐसी खबर का खंडन करने के लिये भी हमेशा प्रस्तुत भी बनी रहती है। इसलिये हमारे देश मे पिटे पति की इज्जत को कोई ज्यादा ख़तरा नही होता।

बहरहाल फ्रांस और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के पिटने की खबर उन हिंदुस्तानियों के लिए तसल्लीबख्श है जिनकी पत्नियाँ उन्हें गाहे बगाहे पीट देती हैं। वो ये सोचें कि जब ये गणमान्य पिट सकते हैं तो हमारी क्या बिसात। और जो अब तक पिटने से रह गए हैं वो ये सोचकर अपनी पीठ थपथपा सकते हैं कि अपने घर की चारदीवारी मे हमारी हैसियत अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपति से भी ज्यादा है।

विचार

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता

मीडिया का अस्तित्व उसके प्रतिरोधी होने में ही है

30 मई 1826 में भारत का पहला हिंदी अखबार 'उदंड मार्तण्ड' कोलकाता से प्रकाशित हुआ था। प्रत्येक मंगलवार को प्रकाशित होने वाले इस साप्ताहिक अखबार में हिंदी भाषा के साथ बृज और अवधी भाषा के शब्दों का भी मिश्रण होता था। अखबार वितरण में अंग्रेजों द्वारा डाक शुल्क में लगातार वृद्धि और छूट न दिए जाने के कारण इसका 79वां और आखिरी अंक दिसंबर 1827 में प्रकाशित हुआ था। इस अखबार के पहले अंक की 500 प्रतियां प्रकाशित हुई थीं। हिंदी मीडिया ने अपनी दावेदारी बीसवीं सदी के पूर्वार्ध में पेश की जब हिंदी में गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप',बालमुकुंद गुप्त और अंबिका शरण बाजपेयी ने 'भारत मित्र',महेशचंद्र अग्रवाल ने 'विश्वमित्र' और शिवप्रसाद गुप्त ने 'आज' की स्थापना की। एक प्रकार से यह हिंदी प्रेस की शुरुआत थी। इसी दौरान उर्दू प्रेस की भी नींव पड़ी। मौलाना अबुल कलाम आजाद ने 'अल-हिलाल' और 'अल-बिलाग' का प्रकाशन शुरू किया। मुहम्मद अली ने 'हमदर्द' का प्रकाशन किया। लखनऊ से हक़ीक़त, लाहौर से 'प्रताप' और 'मिलाप',दिल्ली से 'तेज' का प्रकाशन होने लगा। पश्चिम बंगाल से बांग्ला में संध्या, नायक, बसुमती, हितबादी, नबशक्ति, आंनद बाजार पत्रिका,जुगान्तर,कृषक और नबजुग का प्रकाशन हो रहा था। मराठी में इंदुप्रकाश,नवकाल,नवशक्ति और लोकमान्य,गुजराती में गुजराती पंच,सेवक और गुजराती समाचार,वन्देमातरम का प्रकाशन हो रहा था। दक्षिण भारत में मलयाला मनोरमा, मातृभूमि,स्वराज,अल-अमीन, मलयाला राज्यम,देशाभिमानी,संयुक्त कर्नाटक आंध्र पत्रिका,कल्कि,तंति,स्वदेश मित्रम,देशभक्तम और दिनमणि का प्रकाशन हो रहा था जो उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। इसी के साथ भारतीय मीडिया के कालखंडों को भी देखा जाना आवश्यक है कि मीडिया का उद्भव और विकास कैसे हुआ? और उसका स्फियर क्या था? इसे तीन भागों में बांटकर देखा जा सकता है। मीडिया का पहला चरण 15 वीं और 16वीं शताब्दी में ईसाई मिशनरी के द्वारा धार्मिक साहित्य के प्रकाशन के लिए प्रिंटिंग मशीन लाई गई। भारत का पहला समाचार पत्र 'बंगाल गजट' एक अंग्रेज जेम्स ऑगस्टस हिकी ने 29 जनवरी 1780 को निकाला था। हिकी ने इस साप्ताहिक पत्र के ज़रिए भारत और ब्रिटिश समुदाय के अंतर्विरोधों का कटाक्ष करने वाली भाषा में लिखने की वजह से उन्हें जल्दी ही गिरफ्तार किया गया और समाचार पत्र का प्रकाशन दो साल में ही बंद हो गया। हिकी के बाद किसी भी अंग्रेज ने औपनिवेशिक हितों पर प्रहार करने वाला प्रकाशन नहीं किया। राष्ट्रवाद बनाम उपनिवेशवाद का यह चरण 1947 तक चला जो दो ध्रुवों में बँट गया था,एक औपनिवेशिक शासन का समर्थक मतलब सत्ता समर्थक और दूसरा स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्षरत लोगों का समर्थक और सत्ता विरोधी मीडिया। मीडिया का दूसरा चरण स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आरंभ हुआ और अस्सी के दशक तक चला। इस लंबी अवधि में मीडिया के प्रसार और गुणवत्ता में जबरदस्त वृद्धि हुई। मीडिया के विभिन्न रूप भारत को आधुनिक राष्ट्र-राज्य बनाने के लक्ष्य के इर्द गिर्द गढ़ी गई। इसी दौरान टीवी का आगमन हुआ। रेडियो और टीवी की कमान सरकार के हाथों में रही,जबकि प्रिंट मीडिया निजी क्षेत्र के हाथों में चला गया। नब्बे के दशक में भूमंडलीकरण के आगमन से मीडिया के तीसरे चरण की शुरुआत हुई जो आज तक जारी है। इस दौर में निजी क्षेत्र में 24 घंटे चलने वाले उपग्रहीय टीवी चैनल और एफ.एम. रेडियो चैनलों का बहुत तेजी से प्रचार प्रसार हुआ है। मीडिया का आकार और उसकी पहुंच लोगों तक अभूतपूर्व ढंग से बढ़ी है। नयी मीडिया की प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है। नई प्रौद्योगिकी से भारत में भी वही स्थिति निर्मित हो गई है जिसे पश्चिम में 'मीडिया स्फियर' कहा जाता है। इस नई प्रौद्योगिकी ने 'मीडिया स्फियर' का निर्माण तो किया लेकिन 'पब्लिक स्फियर' को लगातार संकुचित करने का कार्य भी किया। जर्गन हैबरमास की किताब 'द स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ पब्लिक स्फियर' (अंग्रेजी संस्करण 1989) में बेहतर तरीके से समझाया गया है कि मीडिया तकनीकी के बदलने के साथ पब्लिक स्फियर (डिस्कशन सर्किल, पब्लिशिंग हाउस,कैफे,थिएटर, सेलून) में क्या परिवर्तन हुए। 17 वीं और 18 वीं शताब्दी में प्रेस का अविर्भाव निजी विचारों को सार्वजनिक करने में था,इसने सामाजिक और राजनैतिक घटनाओं के संबंध में तार्किक आलोचना के रास्ते को खोला और सत्ता संबंधी आलोचना को विस्तार दिया। हैबरमास के अनुसार यही वह समय था जब खुला (ओपन) पब्लिक स्फियर अस्तित्व में आया था। 18वीं और 19वीं सदी में प्रेस का विस्तार हुआ, 20वीं सदी में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उदय हुआ,20वीं सदी के अंत और 21वीं सदी के उदय के साथ न्यू डिजिटल मीडिया तकनीकी का आगमन हुआ। मीडिया तकनीक की इस विकास यात्रा में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विकास को हैबरमास ने मीडिया के पुनः सामंतीकरण हो जाने की व्याख्या की है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उदय के साथ परफॉर्मेंस अब ज्यादा सार्वजनिक स्थानों में प्रदर्शित नहीं होता था अब यह पब्लिक से निजी स्फियर की ओर मुड़ गया था 'प्रत्यक्ष ऑडियंश' को तकनीकी ने प्रतिस्थापित कर दिया था। अब ऑडियंश न ही भौतिक स्पेस का उपयोग करते थे और न ही अक्सर सार्वजनिक स्थानों में कार्य को अंजाम देते थे (एबरकोम्बी और लांगरस्ट 2007)। अब वे अक्सर अपने घरों के निजी स्फियर में ही बातचीत करते थे। हैबरमास मानते हैं कि पब्लिक स्फियर और तार्किक वाद-विवाद के जो ओपन स्फियर अस्तित्व में थे उन्हें बंद दरवाजों के बीच टेलीविजन के सामने सीमित कर दिया गया। जिससे नए तरह के पब्लिक स्फियर का निर्माण हो गया था और एक तरह के निष्क्रिय ऑडियंश का। मीडिया ने तकनीकी विकास से पब्लिक स्फियर का रूपांतरण किया ताकि यह बड़े समुदाय के लिए उपलब्ध हो,इसकी पहुंच अधिक लोगों तक हो,लेकिन इसने अपना प्रतिरोधी चरित्र खो दिया था। इसकी विश्वसनीयता और अंतर्वस्तु की गुणवत्ता भी समाप्त हुई है। प्रिंट क्रांति के बाद भय की सत्ता की इजारेदारी खत्म हो गई थी। जिससे ज्ञान अभिजन तक सीमित न रहकर सामान्य जन तक पहुंच गया था। प्रिंट क्रांति के फलस्वरूप ही राजा रवि वर्मा ने मंदिरों में कैद ईश्वर के चित्रों को शूद्रों अति शूद्रों (अछूतों) तक पहुंचाया था। एक तरह से प्रिंट ने प्रतिरोध की भूमिका का निर्वहन किया,कहा जा सकता है कि प्रिंट क्रांति अपने जन्म से ही प्रतिरोधी रही है। इसे हम भारतीय मीडिया के प्रथम चरण में देख सकते है जो भले ही दो धड़ों में बंटा हुआ था,औपनिवेशिक समर्थक और औपनिवेशिक के विरुद्ध सत्ता का आलोचक,जो अपने प्रतिरोधी स्वरूप को कायम किया हुआ था। औपनिवेशिक मीडिया बनाम राष्ट्रीय मीडिया का स्पष्ट विरोधाभास विकसित हो गया और यह 1947 तक स्वतंत्रता प्राप्ति तक कायम रहा। 1930 तक अंग्रेजी अखबारों की संख्या में इजाफा हुआ,जिसका मकसद अंग्रेजों की शासन व्यवस्था का समर्थन करते रहना था। रॉबर्ट नाइट ने बम्बई के तीन अखबारों के विलय से 1861 में टाइम्स ऑफ इंडिया की स्थापना की,जिसका कार्य ब्रिटिश हितों की रक्षा करना था। इसके बरक्स 1849 में गिरीशचंद्र घोष ने 'बंगाल रिकॉर्डर' नाम से एक अखबार निकाला,जिसका 1853 में नाम बदलकर 'हिंदू पैट्रियट' हो गया। इसका संपादन हरिश्चंद्र मुखर्जी ने पराक्रमी अंदाज में किया था। उन्होंने अंग्रेजी सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया तथा सरकार की आलोचना का सूत्रपात किया। इसी के साथ स्वतंत्रता प्राप्ति की कामना का संचार करने के लिए हिंदी भाषा के साथ साथ अन्य भारतीय भाषाओं में भी पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन कार्य होने लगा जिसने जनचेतना का विकास किया,साथ ही आलोचना का एक स्पेस भी विकसित किया । इसी के फलस्वरूप 1878 में अंग्रेजों ने वर्नाकुलर प्रेस एक्ट बनाया ताकि ब्रिटिश सरकार की आलोचना करने वाली मीडिया खासकर प्रिंट मीडिया को रोका जा सके। इस एक्ट का भारत के साथ-साथ ब्रिटेन में भी जमकर विरोध हुआ। प्रिंट मीडिया के लिहाज से बीसवीं सदी को एक उल्लेखनीय विरासत मिली,जिसके तहत तिलक,गोखले,दादाभाई नौरोजी,रविंद्रनाथ टैगोर, सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी के कुशल नेतृत्व में अखबारों और पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा था। गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस जब जनांदोलन में तब्दील हो गई,तब गांधी ने भी जनचेतना को उभारने के लिए संचार के माध्यम के लिए अखबारों को चुना। जहां राष्ट्रीय नेताओं के नेतृत्व में मराठा,केसरी, हरिजन,यंग इण्डिया,नवजीवन,अमृत बाजार पत्रिका, हिंदुस्तानी एडवोकेट,अखबार-ए-आम जैसे कई अखबारों और पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर अंग्रेजी हुकूमत का गुणगान करने वाले अखबार भी कम नहीं थे। इनमें स्टेटसमेन कोलकाता, टाइम्स ऑफ इंडिया मुंबई, मद्रास मेल,पायनियर इलाहाबाद सत्ता के समर्थन में सक्रिय भूमिका अदा कर रहे थे। भारतीय भाषाओं के अखबारों व पत्रिकाओं ने खुलकर उपनिवेशवाद विरोधी आवाज़ उठाना शुरू कर दिया था। अंग्रेजी अखबारों की संख्या कम हो गई थी और जो अखबार थे वे अंग्रेजों के समर्थक हो गए थे। जिससे उन्हें विज्ञापन, वेतन,और संसाधनों की कोई कमी नहीं होती थी। इसके विपरीत भारतीय भाषा की मीडिया को लगातार इन समस्याओं से दो चार होना होता था। अंग्रेजी अखबारों के महत्व को देखते हुए जल्द ही राष्ट्रवादी विचारों वाले अंग्रेजी अखबारों का प्रकाशन किया गया,जिसमें लीडर,न्यूज़,सिंध ऑब्ज़र्वर, कॉमरेड, मद्रास स्टेंडर्ड, मुख्य थे । 1923 में घनश्याम दास बिड़ला ने दिल्ली से 'द हिंदुस्तान टाइम्स' का प्रकाशन शुरू किया।1938 में जवाहरलाल नेहरू ने नेशनल हेराल्ड की स्थापना की। भारतीय मीडिया दो खेमों में बटी रही,ब्रिटिश सरकार की समर्थक और ब्रिटिश सरकार विरोधी मीडिया,लेकिन स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद 15 अगस्त 1947 से सरकार और मीडिया के रिश्ते बुनियादी तौर पर बदल गए। भारतीय मीडिया से ब्रिटिश शासन की पाबंदियां हटा दी गई और ब्रिटिश समर्थक अखबारों का नियंत्रण भारतीय हाथों में आ गया। स्वतंत्र भारत में मीडिया ने राजनीतिक नेतृत्व के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आधुनिक भारतीय राष्ट्र का निर्माण करना प्रारंभ कर दिया। मीडिया के विकास का यह द्वितीय चरण था जो अस्सी के दशक तक निर्बाध रूप से चलता रहा। इस इजारेदारी के खत्म होने के साथ ही अभिजात्य ताकतों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को इजाद किया और 'नागरिकों की भूमिका' को 'उपभोक्ता की भूमिका' में तब्दील कर दिया। जिससे पुनः सामंती समाज का उदय हुआ जिसका मकसद हाइ अथॉरिटी की आज्ञाओं का पालन करना था। स्वतंत्रता के पूर्व औपनिवेशिक काल में जिस तरह से मीडिया दो खेमों में बटा हुआ था आज भी कमोबेश वही स्थिति है,एक सत्ता समर्थक और दूसरा सत्ता विरोधी। जो सरकार से सरकारी प्रणाली पर सवाल करता है जो लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आवश्यक है यही प्रतिरोधी पक्ष मीडिया का वास्तविक चरित्र है।

गुरू अर्जन देव शहीद दिवस पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

जिनकी तपस्या ने सिख इतिहास को अमरता दी

गुरु परंपरा की महिमा अपार है और भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत पूज्य माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा में सिख धर्म के पंचम गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी का स्थान विशिष्ट है, जिन्होंने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। गुरु अर्जन देव न केवल धार्मिक संत थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक, कुशल संगठक और ज्ञान के अद्वितीय स्रोत भी थे। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानवता की सर्वोच्चता को महत्व दिया। गुरु अर्जन देव की शहादत को सिख धर्म में अत्यंत पवित्र भाव से स्मरण किया जाता गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस 30 मई को मनाया जा रहा है। गुरु अर्जन देव का जीवन शांति, सेवा और ज्ञान के आदर्शों से ओतप्रोत था। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और बिना किसी भेदभाव के सभी की सहायता और सेवा करते थे। उनके पास दूर-दूर से विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग ज्ञान, शांति और मार्गदर्शन की खोज में आया करते थे। एक बार एक श्रद्धालु उनके पास आया और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाए, जहां शांति और प्रेम का वास हो। उसी श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं, क्योंकि आपने मुझे ऐसा ज्ञान दिया है, जो जीवनभर मेरा पथ प्रदर्शन करेगा लेकिन गुरु जी ने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि मेरी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है और इसका वितरण ही इसकी सच्ची पूजा है। श्रद्धालु यह सुनकर भावविभोर हो गया और गुरु जी के चरणों में नतमस्तक होकर बोला कि आज आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सत्य बता दिया, अब मैं आपके दिए हुए ज्ञान को सबमें प्रेमपूर्वक बांटूंगा।

गुरु अर्जन देव का जीवन अनेक शिक्षाप्रद प्रसंगों से भरा है, जो आज भी हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। एक बार बाला और कृष्णा नामक दो पंडित, जो सुंदरकथा का पाठ कर लोगों को आत्मिक शांति देने का दावा करते थे, गुरु अर्जन देव के पास आए और बोले कि महाराज! हम कथा सुनाकर दूसरों को आत्मिक शांति तो देते हैं लेकिन स्वयं हमारे मन को शांति नहीं मिलती। हम क्या करें? गुरु अर्जन देव ने उन्हें बहुत सरल लेकिन गहन उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तुम कथा वाचन को धन प्राप्ति का माध्यम समझकर करते रहोगे, तब तक तुम्हारा मन

कभी शांत नहीं हो सकता। जब तक कर्म में निष्काम भाव नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति मिलना असंभव है। उन्होंने पंडितों से कहा कि कथा करते समय अपने मन को शुद्ध करो, कथा को परमात्मा की उपस्थिति में किया गया एक पवित्र कार्य मानो और जो उपदेश दूसरों को देते हो, उसे स्वयं भी जीवन में उतारो। यही वह मार्ग है, जिससे तुम्हारा चंचल और अशांत मन भी सच्ची शांति का अनुभव करेगा।

गुरु अर्जन देव जी के ये उपदेश आज भी उतने ही सार्थक और मूल्यवान हैं, जितने उस समय थे। आज की दुनिया में लोग दूसरों को उपदेश तो देते हैं लेकिन स्वयं उस पर अमल नहीं करते, जिससे समाज में केवल दिखावा और पाखंड बढ़ता जा रहा है। यदि हर व्यक्ति केवल वही बातें दूसरों से कहे, जिस पर वह स्वयं चलता है, तो समाज में अनेक समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएं। यही वह यथार्थ है, जिसे गुरु अर्जन देव ने बहुत पहले ही पहचान लिया था। वे केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिए पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, वहां गुरु अर्जन देव के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह हमें मार्ग दिखाते हैं।

गुरु अर्जन देव का मानना था कि मन की शांति ही सच्चे सुख का मार्ग है। भौतिक वस्तुएं चाहे कितनी भी मिल जाएं लेकिन यदि मन अशांत है तो व्यक्ति कभी भी सच्चा सुख अनुभव नहीं कर सकता। उन्होंने जीवनभर सेवा, संतोष और आत्मसमीक्षा को प्राथमिकता दी। आज के समय में जब लोग भागदौड़ और प्रतिस्पर्धा में उलझकर अपने भीतर की शांति को खोते जा रहे हैं, तब गुरु अर्जन देव के विचार और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। आज अधिकांश लोग मानसिक अशांति, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से ग्रसित हैं। इसका मूल कारण यही है कि लोग अपने जीवन में आत्मसंतोष नहीं पा पाते। जब तक मन में संतुष्टि नहीं होगी, तब तक शांति भी नहीं मिल सकती। आत्मसंतोष और आंतरिक संतुलन ही सच्ची मन की शांति का मार्ग है। मन को शांत रखने का सबसे अच्छा उपाय है, सेवा का भाव, निष्काम कर्म और सत्य के मार्ग पर चलना।

गुरु अर्जन देव की वाणी और जीवन-दर्शन हमें सिखाता है कि सच्ची शांति केवल बाहरी साधनों से नहीं बल्कि आत्ममंथन, सेवा और निष्काम कर्म से मिलती है। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय केवल अपने मन के साथ बिताएं, स्वयं से संवाद करें और आत्मा की आवाज को सुनें तो न केवल हमारी मानसिक शांति लौटेगी बल्कि हम एक बेहतर इंसान बन पाएंगे। उन्होंने शिक्षा दी कि बलिदान केवल शरीर का नहीं होता अपितु अपने विचारों, इच्छाओं और लालसाओं का भी होता है। उनका बलिदान इस बात का प्रतीक है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए केवल शब्दों की नहीं, आचरण और संघर्ष की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी शहादत से यह सिद्ध कर दिया कि जीवन की सार्थकता केवल जीने में नहीं बल्कि सत्य के लिए जीने और मरने में है। गुरु अर्जन देव का जीवन और उनका दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने मानवता, समर्पण, सेवा और सत्य के जिन आदर्शों की स्थापना की, वे आज भी इस युग के लिए एक अमूल्य धरोहर हैं। हमें चाहिए कि हम उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सार्थक बनाएं और इस संसार को एक शांतिपूर्ण, प्रेमपूर्ण और मानवतावादी स्थान बनाएं। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे क्या अक्टूबर में चालू होगा

एक्सप्रेस-वे

ऋतुराज बुड़ावनवाला

(वरिष्ठ पत्रकार और फोटोग्राफर)

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे देश के सर्वाधिक संभावनाशील मार्गों में से एक है। 1386 किलोमीटर लंबे इस राजमार्ग का पूरी तरह निर्माण अक्टूबर 2025 तक होने की घोषणा केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की जरूर है, पर स्थिति ऐसी नजर नहीं आ रही। निर्माण के बाद इस मार्ग का जितना हिस्सा शुरू किया गया, वहां मार्ग पर चलने वालों के लिए कोई सुविधा नहीं है। हालात देखकर लगता नहीं कि इस साल ये राजमार्ग शुरू हो सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कुछ माह पूर्व राज्यसभा में गुजरात से भाजपा सांसद नरहरि अमीन को एक लिखित जवाब में बताया था कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का निर्माण अक्टूबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। 2019 से निर्माणाधीन इस एक्सप्रेस-वे के पूरी तरह चालू होने की तारीख लगातार बढ़ती रही है। उल्लेखनीय है कि पांच राज्यों से होकर गुजरने वाले देश के सबसे लंबे (1386 किलोमीटर लंबे) दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के पूरी तरह शुरू होने का इंतजार कई लोगों को है। मध्य प्रदेश और गुजरात के मध्य निर्माणाधीन स्थल कार्यरत मजदूरों, ट्राला एवं जेसीबी चालकों से हुई बातचीत, निर्माणाधीन कार्य की गति और मौजूदा शिथिल पड़े अधूरे काम को देखकर इस साल अक्टूबर तक इसके पूरा होने के आसार धरातल पर तो नजर नहीं आए।

राजस्थान के कोटा और दारा के बीच एक 5 किलोमीटर की सुरंग के पूरा होने पर एक्सप्रेस-वे पर सबसे बड़ी 8-लेन सुरंग होगी। इसके निर्माण के साथ ही,अन्य जगहों पर भी काम जारी है। कोटा से दिल्ली के लिए सीधे मार्ग की उम्मीद लिए यात्रियों को इंतजार करना पड़ सकता है। पैकेज नंबर 10 के नाम से जाना जाने वाला लाबनम और सवाई माधोपुर के बीच के हिस्से में लाइनिंग, मरम्मत और फिनिशिंग का काम चल रहा है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर राजस्थान के कोटा जिले के चेचट से मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के टिमरवानी (थांदला) तक के शुरू हुए 269 किलोमीटर के खंड का यह सफर मुश्किलों भरा है। एनएचएआई ने यात्रियों को अभी तक आवश्यक सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई है। रेस्ट एवं सर्विस एरिया जहां पर हॉस्पिटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, फ्यूल तथा मैकेनिक जैसी सुविधाएं होना चाहिए, वह चालू ही नहीं हुई। ऑयल कॉरपोरेशन ने भी तक पेट्रोल पंप स्थापित नहीं किए। इस बारे में ऑयल कॉर्पोरशन का कहना है कि एक्सप्रेस-वे पर अभी वाहनों की संख्या नहीं बढ़ी।

जहां पर पेट्रोल पंप स्थापित होने हैं, उन रेस्ट एरिया का निर्माण भी पूरा नहीं हुआ है। लंबी दूरी के यात्रियों को फ्यूल भरवाने के लिए इंटरचेंज से बाहर निकलना पड़ता है। वाहन में किसी भी तरह की समस्या आ जाने पर मैकेनिक सुविधा के अभाव में वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। राजस्थान के चेचट से मध्य प्रदेश के टिमरवानी (थांदला /झाबुआ) तक की 269 की दूरी को पार करने में कार या एसयूवी को 3 घंटे तथा हैवी लोडिंग वाहन को 5 घंटे का समय लगता है। रास्ते में यात्रियों को रेस्ट एवं सर्विस सुविधाओं के चालू नहीं होने से कहीं भी जलपान उपलब्ध नहीं होता।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बनाए जा रहे इस एक्सप्रेस-वे के राजस्थान के चेचट इंटरचेंज से कोटा रावतभाटा मोइक व एनएच 52, निमथुर इंटरचेंज से भवानी मंडी, नीमच, भानपुरा और झालावाड़, गरोठ टोल से उज्जैन मंदसौर और शामगढ़, धलावादा से सीतामऊ होकर मंदसौर, भूतेड़ा (जावरा) इंटरचेंज से उज्जैन और जावरा, नामली इंटरचेंज से रतलाम और इंदौर ,धामनोद इंटरचेंज से रतलाम और बांसवाड़ा, थांदला इंटरचेंज से झाबुआ का सफर फ़िलहाल किया जा सकता हैं।

सरकारी कार्यालयों के बाद अब व्यावसायिक परिसरों में लगेंगे स्मार्ट मीटर

कंपनी कर रही सर्वे, जिलेभर में लगेंगे 40 हजार मीटर

संजय द्विवेदी, बैतूल। बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सर्विस उपलब्ध कराने विद्युत वितरण कंपनी शहर में स्मार्ट मीटर लगायेगी। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के लिए यूएई की कंपनी अल्फा नार द्वारा शहर में सर्वे कराया जा रहा है। शहर के जोन-1 और जोन -2 में अल्फानार कंपनी के कर्मचारियों द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद कंपनी घरों में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू करेगी। एक जानकारी के अनुसार जिलेभर में करीब 40 हजार मीटर लगाये जायेंगे। स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सर्विस क्वालिटी मिलेगी। यह मीटर ऑटोमैटिक बिलिंग फीचर से लैस रहेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को समय-समय पर बिलिंग की सुविधा मिलेगी। बता दे कि बैतूल में योजना के प्रथम चरण के तहत स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत सरकारी कार्यालयों से की गई थी। जिले भर में 750 से अधिक सरकारी भवनों में स्मार्ट मीटर लग

गए हैं। इसके बाद कंपनी द्वारा घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने के लिए सर्वे का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए दिल्ली की अपर्वा कंपनी से भी अनुबंध हुआ है। दोनों कंपनियां जिले में मीटर लगाने का काम करेंगी।

बिजली कंपनी ने जारी किया नया टैरिफ प्लान

इधर, बिजली कंपनी ने वर्ष 2025-26 के लिए नया टैरिफ प्लान भी जारी कर दिया है। विद्युत कंपनी ने 7.52 प्रतिशत की टैरिफ वृद्धि के प्रस्ताव के विरूद्ध 3.46 प्रतिशत की वृद्धि मंजूर की है। बताया गया कि निम्न दाब उपभोक्ताओं एवं मौसमी उच्च दाब उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान करते हुए न्यूनतम प्रभार को समाप्त कर दिया गया है। साथ ही अब उपभोक्ताओं को कोई मीटरिंग प्रभार भी नहीं देना होगा। वहीं पहली बार उपभोक्ता सेवा में खामी पाए जाने पर क्षतिपूर्ति का भुगतान किए जाने का नियम लागू किया गया है। यदि किसी बिजली उपभोक्ता को दी जाने वाली सेवा में कंपनी की ओर से खामी होना पाई जाती हैं तो ऐसी स्थिति में उपभोक्ता को कंपनी द्वारा क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर लगाने पर नहीं लगेगा अतिरिक्त शुल्क

उपभोक्ताओं को मीटर लगाने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। इसके अलावा ट्रांसफार्मरों पर भी स्मार्ट मीटर लगाने के लिए विद्युत कंपनी द्वारा शहर में सर्वे कराया जा रहा है। सभी ट्रांसफार्मरों में स्मार्ट मीटर लगेंगे। यह स्मार्ट मीटर ट्रांसफार्मरों के माध्यम से होने वाली बिजली की खपत का डाटा एकत्रित करेंगे। ट्रांसफार्मर पर बिजली का लोड कितना बढ़ रहा है और बिजली की खपत कितनी बढ़ रही है इसकी जानकारी दर्ज होगी। इस आधार पर कंपनी द्वारा जहां लोड अधिक होने की जानकारी सामने आएगी वहां ट्रांसफार्मरों की क्षमता में वृद्धि की जाएगी।

स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी पर लगेगी रोक

स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी को रोका जा सकता है, क्योंकि वे बिजली की खपत को वास्तविक समय में ट्रैक करते हैं। वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अपनी ऊर्जा खपत का प्रबंधन करने में मदद करते हैं, जिससे वे ऊर्जा का अधिक कुशलता से उपयोग कर सकते हैं। स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली कंपनियों के राजस्व में वृद्धि होती है, क्योंकि वे बिजली की खपत को अधिक सटीक रूप से ट्रैक कर सकते हैं। स्मार्ट मीटर ऑटोमैटिक बिलिंग फीचर से लैस होते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को समय-समय पर बिलिंग और उपभोक्ताओं को बेहतर सर्विस क्वालिटी मिलेगी।

इनका कहना है –

स्मार्ट मीटर लगाए जाने के लिए शहर में कंपनियों द्वारा सर्वे का काम किया जा रहा है। अभी व्यवसायिक परिसरों में स्मार्ट मीटर लगेगे, इसके बाद घरों में भी स्मार्ट मीटर लगाये जायेगे। अभी पूरे बैतूल जिले में 40 हजार मीटर लगाने का आदेश आया है, जिसमें साउथ डिवीजन में 750 मीटर लगाये जायेगे।

– **बीएस बघेल,** डीजीएम, साउथ डिवीजन बैतूल

50 शिविरों में जिले के 1664 लोगों ने सीखा प्राणायाम-ध्यान

21 जून को भव्य आयोजन की तैयारी, योग दिवस की पूर्व तैयारियों में जुटा आयुष विभाग, जिलेभर में चला योगाभ्यास का अभियान

बैतूल। जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की तैयारी को लेकर आयुष विभाग ने व्यापक स्तर पर योग शिविरों का आयोजन किया। संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के आदेशानुसार तथा कलेक्टर बैतूल के मार्गदर्शन और जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के निर्देशन में जिले में योग अभ्यास को लेकर सक्रिय क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में 25 दिन काउंटडाउन (शेष) के अंतर्गत चतुर्थ चरण में जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में 27 मई को योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्राणायाम, सूक्ष्म प्राणायाम, ध्यान तथा सरल योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। इन क्रियाओं के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविरों का संचालन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने आमजनों से आह्वान किया कि वे इन योग क्रियाओं को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हों। उन्होंने बताया कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। बैतूल जिले के विभिन्न विकासखंडों में कुल 50 योग शिविर लगाए गए, जिनमें कुल 1664 नागरिकों ने योगाभ्यास किया और प्रतिदिन योग करने हेतु प्रेरित हुए।

विकासखंडवार शिविर और लाभार्थियों का विवरण– विकासखंड घोड़ाडोंगरी एवं शाहपुर में 5 शिविरों में 139 लाभार्थी, आठनेर में 3 शिविरों में 105 लाभार्थी, आमला में 5 शिविरों में 138 लाभार्थी, मुलताई में 5 शिविरों में 158 लाभार्थी, भैंसदेही में 9 शिविरों में 431 लाभार्थी, बैतूल में 14 शिविरों में 491 लाभार्थी, प्रभात पट्टन में 5 शिविरों में 124 लाभार्थी तथा चिचोली में 4 शिविरों में 78 लाभार्थियों ने भाग लिया। आयुष विभाग द्वारा सभी संस्थाओं में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है।

31 मई को जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी में होगा स्वर्ण प्राशन

बैतूल। हर माह की तरह इस बार भी पुष्य नक्षत्र के अवसर पर जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी में स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा। इस माह यह आयोजन शुक्रवार, 31 मई को निर्धारित किया गया है। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर ने सभी पालकों से अनुरोध किया है कि वे अपने बच्चों को इस दिन अस्पताल लाएं और स्वर्ण प्राशन के लाभ से उन्हें लाभान्वित करें। उन्होंने बताया कि स्वर्ण प्राशन से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और यह उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक होता है।

आमला-छिंदवाड़ा मेमू ट्रेन का समय बदला, 5 जून से सुबह 8.20 से चलेगी

बैतूल। मध्य रेल के नागपुर मंडल ने यात्री सुविधा के लिए आमला-छिंदवाड़ा मेमू ट्रेन के समय में बदलाव किया है। 5 जून 2025 से आमला से मेमू ट्रेन सुबह 8.20 बजे रवाना होगी। छिंदवाड़ा पहुंचने का समय 11.30 बजे रहेगा। दरअसल दिल्ली से आने वाली जीटी एक्सप्रेस आमला में 7.38 बजे पहुंचती है। ट्रेन के विलंब से यात्री मेमू ट्रेन नहीं पकड़ पाते थे। समय में बदलाव से यात्रियों को मेमू ट्रेन के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। रेल प्रशासन ने बडनेरा-नरखेड़ रूट की मेमू ट्रेनों के समय में भी परिवर्तन किया है। गाड़ी संख्या 61103 बडनेरा से 13.05 बजे निकलेगी। यह नरखेड़ 16.00 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 61104 नरखेड़ से 17.10 बजे चलकर बडनेरा 20.35 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 61105 बडनेरा से सुबह 6.40 बजे रवाना होगी। यह नरखेड़ 9.30 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 61106 नरखेड़ से 10:10 बजे चलकर बडनेरा 13.40 बजे पहुंचेगी। यह समय परिवर्तन ट्रेनों की समयबद्धता और रेक के बेहतर उपयोग के लिए किया गया है।

धार से विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ

कृषि प्रचार-प्रसार रथ को 'चलो खेत की ओर' संदेश के साथ हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतों की ओर रवाना किया गया

धार। भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का शुभारंभ 29 मई को धार से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरदार सिंह मेडा, अध्यक्ष जिला पंचायत धार रहे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में यह आयोजन हुआ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी की उपस्थिति में कृषि एवं संबंधित विभागों जैसे कृषि विभाग, आत्मा परियोजना, कृषि विज्ञान केन्द्र धार के वैज्ञानिक, आईसीएआर के वैज्ञानिक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि उपज मंडी सचिव, विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठन एवं प्रगतिशील किसान तथा राजेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे।

शुभारंभ अवसर पर कृषि प्रचार-प्रसार रथ को 'चलो खेत की ओर' संदेश के साथ हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतों की ओर रवाना किया गया। रथ पूर्व निर्धारित रूट चार्ट अनुसार तीन दलों के साथ रवाना हुआ।

इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र मनावर से अन्य तीन दलों ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतों की ओर प्रस्थान किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अजय पाटीदार, जनपद अध्यक्ष रुखमा रवि मुवेल, जिला पंचायत सदस्य कपिल सोलंकी तहसीलदार कुणाल अवास्या, राज्य स्तरीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. धार्वेन्द्र सिंह, अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनावर ज्ञानसिंह सोलंकी, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी मनावर बसंत कुमार खंडवाये तथा अन्य विभागीय अधिकारी एवं कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।इस अभियान के माध्यम से किसानों को नवीन , उन्नत कृषि तकनीक, योजनाओं और नवाचारों की जानकारी गाँव-गाँव तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

संभाजी राव मोहिते के निधन पर परिजनों ने मुक्तिधाम के विकास के लिए 11 हजार रु. की राशि दान की

शिक्षक सम्मान समारोह समिति, रावण दहन दशहरा समिति, अमृतवाणी मराठा समाज को भी राशि दी

धार। मराठा समाज के वरिष्ठ व कई संगठनों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्व.संभाजी राव मोहिते के निधन पर परिजनों ने पिताजी की पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के पावन उद्देश्य से धार के मुक्तिधाम के विकास के लिए 11 हजार रु. की राशि दान की। परिजनों ने शिक्षक सम्मान समारोह समिति, रावण दहन दशहरा समिति, अमृतवाणी मराठा समाज को भी राशि दान दी। स्व.संभाजी राव मोहिते के निधन पर मुक्तिधाम समिति धार के अध्यक्ष अनन्त अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश माहेश्वरी , कोषाध्यक्ष नारायण कुबेर जोशी ने उनके निवास पर शोक प्रकट कर श्रद्धांजलि दी । इस अवसर पर उनकी स्मृति में पुत्र संयाजीराव मोहिते व परिवार ने मुक्तिधाम समिति के सदस्यों की उपस्थिति में 11 हजार रुपए नकद राशि दी। यह जानकारी दीपक मुकादम ने दी।

हाईवे पर दो बाइक की भिड़ंत में दो गंभीर रूप से घायल

बैतूल। बैतूलबाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर दो बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एनएचएआई की एंबुलेंस द्वारा उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती किया है। गुरुवार दोपहर को बैतूलबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सांईखंडारा जोड के पास हाईवे पर दो बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसे में मुलताई क्षेत्र के साबडी निवासी कृष्णा पिता लक्ष्मणराव धोटे और दूसरी बाइक पर सवार इटारसी निवासी अभिषेक पिता मुन्नालाल पवार (40) घायल हो गए हैं। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। एक युवक का पैर फैक्कर हो गया है। दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

नशे में धुत युवक ने कार के कांच फोड़े, एसपी से शिकायत, बीती रात 10 बजे की घटना

बैतूल। गंज क्षेत्र के राजेन्द्र वार्ड में बीती रात 10 बजे नशे में धुत एक युवक द्वारा तलवार से कार के कांच फोड़ने का मामला सामने आया है। फरियादी महिला शशिकला पति राजेन्द्र सिंह धुर्वे ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है और युवक पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। शशिकला ने बताया कि 27 मई की रात को घर के दरवाजे पर आवाज सुनकर वह और उनकी बेटी बाहर निकलीं, तो देखा कि युवक निहाल नशे की हालत में उनके घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। उसे रोका गया तो गालियां देने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। शशिकला के बेटे के बाहर निकलते ही निहाल वहां से भाग गया, लेकिन करीब एक घंटे बाद वह फिर तलवार लेकर लौटा और घर के सामने खड़ी एक्सयूवी कार क्रमांक एमपी 05 एमए 0005 के कांच तलवार से फोड़ दिए। यह पूरी घटना घर वालों ने अंदर से देखी और उन्होंने इसकी रिकॉर्डिंग भी कर ली है। परिवार ने तत्काल 100 डायल पर कॉल किया, जिसके बाद पुलिस वैन मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर निहाल फिर मौके से भाग गया।

सिकल सेल रोग उन्मूलन अभियान को मिली नई गति

बैतूल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों भीमपुर, भैंसदेही, चिचोली, घोड़ाडोंगरी, शाहपुर, आमला, सेहरा, आठनेर, प्रभातपट्टन और मुलताई के अलावा जिले के शहरी स्वास्थ्य केन्द्र विनोबा नगर, अम्बेडकर वार्ड सहित सभी संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों को सिकल सेल रोगियों और संवाहकों की एचपीएलसी जांच रिपोर्ट अब विकासखण्ड स्तर पर ही उपलब्ध कराई जा रही है। सिकल सेल की जिला नोडल अधिकारी डॉ अंकिता सीते ने बताया कि विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, बी.पी.एम., बी.सी.एम., एवं लैब तकनीशियन को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे विकासखंड स्तर पर ही रिपोर्ट डाउनलोड कर हितग्राहियों को उपलब्ध कराए। डॉ सीते ने बताया कि यह पहल वर्ष 2025-26 में शुरू की गई पीओसी किट के माध्यम से की गई प्रारंभिक सिकल सेल जांच के बाद की जा रही है। जिन मरीजों के जांच परिणाम पॉजिटिव पाए गए हैं, उनके ब्लड सैंपल कंफर्मेटरी टेस्ट हेतु जिला चिकित्सालय भेजे गए थे। अब इन नमूनों की एचपीएलसी रिपोर्ट संबंधित हितग्राहियों को समय पर और सुगमता से प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष पोर्टल विकसित किया गया है।

लव जिहाद के खिलाफ़ प्रखर राष्ट्रवादी काजल हिन्दुस्तानी ने भरा नागरिकों में जोश

देवास/मोहन वर्मा । बुधवार शाम शहर में हुए आयोजन में पधारे वक्ताओं नें अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए रानी अहिल्याबाई,वीर सावरकर और अन्य इतिहास नायकों के उदाहरणों के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों में जोश भर दिया ।

मुख्य वक्ता जामनगर गुजरात से आई काजल हिन्दुस्तानी ने अपने जोशीले उद्बोधन मे उपस्थित लोगों खासकर महिलाओं को लव जिहाद के खतरे से आगाह करते हुए कहा कि सोशल मीडिया,टीवी सीरियल और ओटीटी के षडयंत्रों को समझें कि किस तरह इनके माध्यम से विधर्मी हमारे परिवार की बेटियों को बरगला रहे है । हम समय रहते सचेत नहीँ हुए तो बहुत देर हो जायेगी । आपने दिनोंदिन बढ़ती लव जिहाद की घटनाओं के ख़िलाफ़ क्या और कैसे खडे होकर विरोध करना है विस्तार से बताया । हिन्दू बालिकाओं और महिलाओं की जागरुकता के लिए हुए इस कार्यक्रम में उज्जैन,भोपाल और गुजरात से प्रखर वक्ता आमंत्रित किए थे । भोपाल से आई राजश्री जोशी ने लोकमाता अहिल्याबाई के तीन सौ बरस पहले के जीवन संघर्षों और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उनके जनजागरण के प्रयासों पर अपनी बात रखी तो उज्जैन से आये प्रदीपत्रिपाठी ने देश की आज़ादी मे वीर सावरकर की भूमिका और उनके संघर्षों की बात की ।

यह आयोजन शहर की सामाजिक संस्था– जन चेतना द्वारा वीर सावरकर जयन्ती पर होटल रामाश्रय परिसर में आयोजित किया गया था । शाम तेज बारिश के बाबजूद इस गम्भीर विषय को सुनने बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख पार्षद अजय तोमर, पार्षद प्रवीण वर्मा, राजेश यादव ने भी संस्था और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का संचालन साक्षी शर्मा ने किया ।

जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया शुभारंभ

केंद्रीय राज्य मंत्री उइके ने दिखाई हरी झंडी

बैतूल। 29 मई से 12 जून 2025 तक प्रदेश में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। जिले में गुरुवार को मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, विशिष्ट अतिथि मप्र जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष मोहन नागर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार से हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने कृषकों से प्राकृतिक खेती को अपनाकर रसायनों का न्यूनतम प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कृषि आदानों पर बाजार की निर्भरता में कमी लाने की समझाइश कृषकों तक पहुंचाने की बात कहीं मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने आधुनिक खेती के साथ-साथ परम्परागत खेती से जुड़े हुए विधाओं को अंगीकृत कर कृषि उत्पादन में मोटे अनाज को सम्मिलित करने तथा अधिक से अधिक बढ़ावा देने की बात कही।

उप संचालक कृषि बैतूल आनंद बड़ोनिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा तथा शासन की विभिन्न योजनाओं को इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों के मध्य ले जाने की बात कहीं।

कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल के केन्द्र प्रमुख डॉ. व्हीके वर्मा के नेतृत्व में उक्त संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों के पांच दलों द्वारा जिले के समस्त 10 विकासखंड के गांवों में 225 सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले 15 दिनों में आयोजित किए जाएंगे। जिसमें आगामी खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन संबंधी तकनीकी सलाह कृषकों तक फसलों की बुवाई के पूर्व दी जाएगी। ताकि लागत में कमी तथा संभावित होने वाली हानि से बचाव हो सके। वहीं केन्द्र के सभी वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के अधिकारी एवं मैदानी अमले नवीनतम तकनीकी, विभिन्न विभाग की योजनाओं की जानकारी गांव-गांव जाकर कृषकों के साथ साझा करेंगे। इस अवसर पर सुधाकर पंवार, नगर परिषद अध्यक्षा श्रीमती दुर्गावती वर्मा, सुनील पंवार, जितेन्द्र वर्मा ने अभियान को सफल बनाने के लिए आह्वान किया।

प्रदेश सरकार के विरुद्ध गरजे कांग्रेसी, तत्काल करें मूंग की खरीदी, गेहूं, चने की फसल का भुगतान करें किसानों को

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

आज जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय में पुराने पुलिस थाने के सामने किसानों की मूलभूत जन समस्याओं को लेकर आन्दोलन किया गया। आन्दोलन में प्रदेश सरकार के विरुद्ध गरजे कांग्रेसी। सभा को संबोधित करते पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसान आज मूलभूत जन समस्याओं को लेकर परेशान है। मूंग खरीदी की अधिसूचना जारी नहीं की गई। किसानों को अभी तक गेहूं चने की खरीदी का भुगतान नहीं किया गया है। आपने नगर पंचायत परिषद के मामले में कहा कि न तो यहां नगर पालिका अधिकारी है,न ही उपयंत्री है, पलकमती नदी पर अवैध उत्खनन हो रहा है। किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश सरकार क विरुद्ध जमकर हमला बोला। सभा को कई वक्ताओं ने संबोधित किया। सभा के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी

अनिल जैन को कांग्रेसी नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का वाचन जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत पाण्डेय ने वाचन किया। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में कहा गया है कि

मूंग खरीदी की अधिसूचना – म. प्र. सरकार मूँग खरीदी के लिए तत्काल अधिसूचना जारी करे ।

गेहूं चने का भुगतान – जिलों के किसानों का गेंहू व चना का बकाया भुगतान शीघ्र किया जाए । किसानों के नलकूपों की जाँच की जाए और उन्हें अधिभार के बिलों से मुक्त किया जाए ।.

सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो– सोहागपुर तहसील के सेहरा से सियारखेड़ा पलकमती नदी तक केनाल बनाकर तथा बागरा मंडल में विस्थापित ग्रामों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए ।

डबल लॉक खोला जाए– सोहागपुर तहसील में सोहागपुर, शोभापुर और कामती तथा माखन नगर तहसील में सांगाखेड़ा कलाँ, सांगाखेड़ा खुर्द व बागरा क्षेत्र में अतिरिक्त तीन तीन नगद खाद्य वितरण केंद्र (डबल लॉक) खोले जाए ।

सब स्टेशन निर्माण – सोहागपुर ब्लॉक में स्वीकृत रेवा बनखेड़ी, परसाई पिपरिया और भटगाँव बिजली सब स्टेशनों का निर्माण शीघ्र शुरू किया जाए ।

नहर का पानी – विधानसभा क्षेत्र के किसानों को धान लिए बारिश के मौसम में सिंचाई के लिए तवा नहर का पानी उपलब्ध कराया जाए ।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत पाण्डेय गुड्डूपूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष संतोष मालवीय,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल ,अमृत बंधू डेरिया, दौलतराम पटेल जिला जनपद सदस्य, चन्द्रकांत मलैया,जलज शर्मा,नीरज चौधरी, इरफान खान, वकील कार्तिक शर्मा , गजेंद्र सिंह चौधरी,

यशवंत सिंह राजपूत ,विजय बाबू चौधरी, अनिला चौरे, सुबोध दुबे,लीलाधर यादव, वकील बी के शर्मा, किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान सहित सैकड़ों नागरिक एवं किसान उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

स्वयं का व्यवसाय शुरू कर रूकमणि व समूह की अन्य महिलाएं बनी लखपति

■ स्वसहायता समूह से जुड़कर महिलाओं को मिली हिम्मत, और बनी आत्मनिर्भर

हरदा (निप्र)। टिमरनी विकासखण्ड के ग्राम गुल्लास निवासी रूकमणि बाई कुछ काम करके आय अर्जित कर अपने परिवार के संचालन में हाथ बंटाना चाहती थी। एक दिन रूकमणि बाई को पंचायत सचिव ने बताया कि स्वसहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को छोटा मोटा व्यवसाय शुरू करने के लिये सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। बस फिर क्या था, रूकमणि बाई ने अपने आसपास की कुछ महिलाओं से बात कर यशोदा आजीविका स्वसहायता समूह गठित कर लिया। समूह से जुड़ने के बाद ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा उन्हें चक्रीय पूंजी के रूप में 15 हजार और ऋण के रूप में साढ़े तीन लाख रूपये की मदद मिल गई। इस मदद से उन्होने डेयरी व्यवसाय शुरू किया, जिससे लगभग 250 रूपये रोज की आय होने लगी। अब समूह की महिलाओं को थोड़ा अनुभव होने लगा तो उन्होने पशुपालन व डेयरी व्यवसाय के साथ-साथ किराने की दुकान भी शुरू कर दी, जिससे समूह की महिलाओं की आय बढ़कर लगभग 400 रूपये रोज होने लगी। इस तरह रूकमणि की वार्षिक आय लगभग डेढ़ लाख रूपये हो गई है। आय बढ़ने से रूकमणि और उसकी साथी महिला सदस्यों के परिवारों का जीवन स्तर सुधर गया है और समूह की सभी महिलाएं बहुत खुश है क्योंकि गांव वाले उन्हें ''लखपति दीदी'' जो कहने लगे हैं।

विधायक श्रीमती गंगा उइके ने प्रस्फुटन नर्सरी का किया शुभारंभ

■ स्थानीय स्तर पर पौधों की उपलब्धता के लिए नवाचारात्मक पहल

बैतूल (निप्र)। विकासखंड घोड़ाडोंगरी के ग्राम पूंजी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नामांकन संस्था नवोदित ग्रामोथान महिला एवं बाल विकास समिति चोपना द्वारा ग्राम पूंजी में निर्मित प्रस्फुटन नर्सरी का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा उइके द्वारा किया गया। नर्सरी का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस नर्सरी में लगभग 2 हजार पौधे विभिन्न प्रजातियों के तैयार किए गए हैं, जिनमें नीम, आम, बेल, करंज, अर्जुन, तेंदू आदि शामिल हैं। यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है ताकि आगामी पौधारोपण अभियानों में बाहरी स्त्रोतों पर निर्भरता न रहे और ग्रामवासी सीधे रूप से पर्यावरण संरक्षण से जुड़ सकें। उद्घाटन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि जनपद सदस्य श्री प्रदीप विश्वास, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पूंजी सहित नवांकुर संस्था प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे ग्रामीण स्वावलंबन व पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में एक सशक्त कदम बताया।

बैड़ी के सरपंच पद के लिये होगा पेपरलेस निर्वाचन, 30 को होगा मॉकपोल

हरदा (निप्र)। जिले की ग्राम पंचायत बैड़ी में रिक्त सरपंच पद की पूर्ति के लिये निर्वाचन प्रक्रिया शुरू हो गई है। संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव नागू ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य आयोग द्वारा इस बार पहली बार पेपर लेस पद्धति से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाना है। यह निर्वाचन इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मेनेजमेन्ट सिस्टम के माध्यम से कराया जाएगा। इससे पूर्व इस व्यवस्था के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 30 मई को हरदा जिले में मॉकपोल प्रक्रिया सम्पन्न होगी। मॉकपोल की प्रक्रिया प्रातः 10:30 बजे से बैड़ी के प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय व हाई स्कूल स्थित मतदान केन्द्र के साथ-साथ जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत हरदा कार्यालय में भी आयोजित की जाएगी।

बाढ़ राहत कार्यों की बैठक संपन्न, बाढ़ आपदा पूर्व तैयारियों के संबंध में दिए निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज बाढ़ पूर्व तैयारियों के संबंध में जिला आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित की गई थी। बाढ़ एवं राहत कार्यों के संबंध में किए जाने वाले प्रबंधो हेतु तैयारियों संबंधी बैठक में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए अभी से ही सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने विशेष कर बिजली विभाग को निर्देश दिए हैं कि जिन क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के दौरान खतरा निर्मित होने की संभावना है उन जगहों का पहले से ही चिन्हांकन कर सुरक्षा के इंतजाम कर लिए जाएं। निर्माण विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जो भी सड़कें व कुल पुलिया डूब क्षेत्र में आती हैं उनका चिन्हांकन कर सुरक्षा की दृष्टि से प्रबंध सुनिश्चित करें, इसके अलावा सभी तहसीलों में स्थापित वर्षा मापी यंत्रों की जानकारी की प्रतिदिन एंट्री करें व इसकी जानकारी जिला कार्यालय को

भी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में जिले के बांध एवं भराव क्षमता की जानकारी भी दी गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि उन स्थानों का चिन्ह्यांकन करें जहां नदी किनारे आम नागरिक निवास कर रहे हैं और उन्हें बाढ़ की स्थिति निर्मित होने के पहले विस्थापित करें। उनके ठहरने के इंतजाम, भोजन-पानी सहित बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी उन्होंने दिशा निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बाढ़ बचाव की पूर्व तैयारियों तथा पूर्व प्रबंधो में सुधार, सुझाव पर आधारित कार्यों के क्रियान्वयन को त्वरित संपादन कराने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले में बाढ़ आपदा से निपटने पहले से ही अलर्ट हो जाएं, नगर पालिका क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र का चिन्हांकन कर लें जिन क्षेत्रों में पूर्व में बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई थी वहां के वार्ड एवं ग्रामीण क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां बाढ़ से निपटने के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने नगरपालिकाओं के अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि अभी से ही नगरीय क्षेत्र के वार्डों में नालों और नालियों की साफ सफाई कराया जाना सुनिश्चित करें, ताकि पानी निकासी होने में समस्या उत्पन्न ना हो और बाढ़ जैसे हालात ना बनें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि नदी के घाटों पर संकेतक बोर्ड लगवाया जाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने जिले में जिन भी क्षेत्रों में खदानें खोदी गई हैं या बड़े-बड़े गड्ढे हैं, उन गड्ढे में गिरने से किसी भी प्रकार की कोई जनहानि ना होने पाए। इसका विशेष ध्यान रखें। इन स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से संकेतक बोर्ड लगवाया जाना सुनिश्चित करें। लापरवाही बरतने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कोई जनहानि की घटना घटित ना हो : कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी एसडीएमों को भी निर्देश दिए हैं कि खंड स्तर पर भी आपदा पूर्व तैयारी कर बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु अभी से ही इंतजाम कर लें। इसके साथ ही उन्होंने विदिशा जिले के पुल-पुलियों, रिपटा इत्यादि से मिट्टी व अनावश्यक मलबे को हटाए जाने के निर्देश भी दिए हैं ताकि वर्षा ऋतु में आवागमन में किसी भी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न ना हो।

उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान पुल-पुलियों पर यदि पानी हो तो वाहन चालकों को पुल-पुलियों से आवागमन ना करने दिया जाए खासकर यात्री बसों को पुल-पुलियों पर अत्यधिक पानी होने पर निकलने ना दिया जाए इसके लिए बेरीकेट्स लगाकर पुल-पुलियों की निगरानी की जाए ताकि बाढ़ आपदा में कोई जनहानि की घटना घटित ना हो।

धरती आबा अभियान के तहत रायसेन जिले के चिन्हित ग्रामों में 15 जून से 30 जून तक लगेंगे शिविर

रायसेन (निप्र)। प्रदेश के साथ ही जिले में भी जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति हेतु सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि धरती आबा अभियान के तहत जिले में चिन्हित जनजातीय बहुल ग्रामों तथा दूरस्थ बस्तियों में 15 जून से 30 जून तक आयोजित किए जाने वाले शिविरों के प्रभावी और सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कलेक्टर द्वारा स्वयं इसकी मॉनीटरिंग की जाएगी। इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। यह शिविर जिला प्रशासन, सीएससी, स्थानीय अधिकारियों तथा फ्रंटलाइन वर्कर्स के समन्वित प्रयास से संचालित होगा। ग्राम स्तर पर सेवा अंतराल की पहचान, सूक्ष्म कार्ययोजना निर्माण, शिविर कैलेंडर निर्धारण एवं रियल-टाइम निगरानी तंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सभी जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही सभी पात्र जनजातीय परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराना और जनजातीय ग्रामों में सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किए जाने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) की स्थापना भी की जाएगी जिससे कि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जा सके। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में रायसेन जिले की 77 ग्राम पंचायतों के 92 ग्रामों को चिन्हित किया गया हैं जिनमें विकासखण्ड सांची के 10 ग्राम, विकासखण्ड गैरतगंज के 07 ग्राम, विकासखण्ड बेगमगंज के 03 ग्राम, विकासखण्ड सिलवानी के 32 ग्राम, विकासखण्ड उदयपुरा के 04 ग्राम, विकासखण्ड बाड़ी के 10 ग्राम और विकासखण्ड औबेदुल्लागंज के 26 ग्राम शामिल हैं।

क्लब के माध्यम से समाज सेवा के क्षेत्र में शहर में श्रीमती अमिता जैन ने बनाई अलग पहचान

विदिशा (निप्र)। समाज सेवा के क्षेत्र में विदिशा में कार्य कर रही लायंस क्लब इंटरनेशनल में क्लब की चार्ट अध्यक्ष श्रीमती अमिता जैन ने अपनी पहचान बनाई है उनके द्वारा शिक्षा स्वास्थ्य से लेकर निशक्तजनों व दिव्यांगजनों के हित में निरंतर क्लब के सदस्यों के सहयोग से कार्य किया जा रहा है इस कार्य से ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री प्रदान करना स्वास्थ्य के क्षेत्र में मधुमेह की जांच कर आम नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और निशक्तजनों दिव्यांग जनों के सहयोग के लिए समय-समय पर सिविल आयोजित कर कार्य किया जा रहे हैं। साथ ही साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी श्रीमती अमिता जैन व उनकी टीम के द्वारा कार्य किए जाते हैं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी इन्होंने समय-समय पर कार्यक्रमों का आयोजन कर पौधारोपण किया और पौधारोपण करने की महत्वता को रेखांकित किया है, जिससे अन्य लोगों में भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा हुई है।

10 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में कर रही समाज सेवा : श्रीमती अमिता जैन विगत 10 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में समाजसेवी के रूप में कार्यरत हैं। वह जैन सोशल ग्रुप, जीवदया क्लब एवं वर्तमान में लायंस क्लब इंटरनेशनल में क्लब की चार्टर अध्यक्ष के रूप में सेवाएं प्रदान कर रहीं हैं। क्लब द्वारा समय-समय पर निशक्तजनों को भोजन उपलब्ध इत्यादि के लिए भी कार्य किए गए है।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनने किया प्रेरित : श्रीमती अमिता जैन के द्वारा जरूरतमंद छात्र एवं छात्राओं को क्लब के माध्यम से बच्चों की शिक्षा निरंतर रहे इस दिशा में उनकी फीस एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना, साथ ही ग्रामीण युवक-युवतियों को शिक्षा के साथ स्किल डेवलपमेन्ट पर सेमिनार आयोजित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित करना। ग्रामीण क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को कुपोषण से बचाने हेतु जागरूक कर पोषण आहार वितरित करना इत्यादि क्षेत्र में कार्य किए गए हैं।

श्रीमती अमिता जैन व क्लब के सदस्यों द्वारा समय-समय पर नगर में रक्तदान शिविर आयोजित कर क्लब सदस्यों व स्वयं के द्वारा रक्तदान किया जाता रहा है। तथा अन्य को रक्तदान हेतु प्रेरित करना इन सभी सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर सहभागिता सुनिश्चित की गई है। साथ ही समाज में बहुत तेजी से फैल रहे डायबिटीज रोग की अवेयरनेस हेतु निशुल्क डायबिटीज की जांच के लिए कैंप भी आयोजित किए गए हैं। साथ ही पर्यावरण के क्षेत्र में भी श्रीमती अमिता जैन कार्य करते हुए पौधारोपण एवं कार्यशाला आयोजित कर लोगों को पर्यावरण के संरक्षण हेतु जागरूक कर रही हैं। इसके अतिरिक्त बाल कैंसर हेतु जागरूकता एवं निशक्त जनों, दिव्यांग बच्चों की सेवार्थ का कार्य भी क्लब के माध्यम से किया गया है।

कुमारी कृतिका ने महिला होकर वर्धा गांव के पशु चिकित्सालय में पशुओं उपचार कर बदली ग्रामीणों की सोच

विदिशा (निप्र)। एक महिला होकर ग्रामीण क्षेत्र में पशु चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ रहकर ग्रामीण पशुओं का उपचार करना , ग्रामीणों के बीच पहुंचकर पशुओं के संबंध में जानकारी देना सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी कुमारी कृतिका द्विवेदी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। सभी कहते थे महिला होकर ग्रामीण क्षेत्र में कैसे यह सब कर पाओगी पशुओं का उपचार करना कोई आम बात नहीं है और वह भी ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थ रहकर, वहां तो रात्रि में भी पशुओं का उपचार करना पड़ता है। लेकिन इन सभी चुनौतियों को दरकिनार कर सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी कुमारी कृतिका द्विवेदी ने इस कार्य को करने की ठान ली थी और आज वह काफी लंबे समय से यहां पदस्थ रहकर पशुओं का उपचार ही नहीं कर रही हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों को पशु चिकित्सा के संबंध में आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं। पशुओं की स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में क्या-क्या बिंदुओं का ध्यान रखना है के संबंध में भी वह पशुपालकों से संवाद कर उन्हें बताती हैं। सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कुमारी कृतिका द्विवेदी वर्तमान में पशु चिकित्सालय वर्धा पशुपालन विभाग में पदस्थ हैं और अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। वह बताती है कि प्रारंभ में जब वह यहां पदस्थ हुई थीं। तो उन्हें बहुत सी चुनौतियां को सामना करना पड़ा था लेकिन उन्होंने इन सभी बातों को दरकिनार कर सिर्फ अपने ध्येय लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया और आज पशुओं की देखभाल कर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

क्या चुनौतियां थी सामने

सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी कुमारी कृतिका द्विवेदी बताती हैं कि जब उन्हें ग्रामीण क्षेत्र में पशुओं के उपचार की जिम्मेदारी सौंपी गई तो सभी के मन में यह सवाल था कि महिला होकर मैं इस कार्य को कैसे कर पाउंगी। लेकिन मैंने इन सभी बातों को पीछे छोड़कर सौंप गए कर्तव्यों को बखूबी निभाया। रात्रि में भी पशुओं के उपचार के लिए कार्य किया और आज इस क्षेत्र में यह सभी कार्य मेरे द्वारा निरंतर किए जा रहे हैं। महिला होकर यह सब कैसे संभव हो सकता है इसकी मिसाल सुश्री कृतिका द्विवेदी ने पेश की है।

समाज में बदलाव लाने की दिशा में किया कार्य : कुमारी कृतिका व्यास ने बताया कि उन्होंने पशु चिकित्सालय वर्धा गांव में पदस्थ रहकर सौंपे गए कर्तव्यों के साथ-साथ समाज में बदलाव लाने की दिशा में भी कार्य किया है।

वह कहती है कि महिला सशक्तिकरण मध्य प्रदेश शासन की एक अभिनव पहल है इसके लिए उनके द्वारा ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया है, जैसे कि शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार और उनकी जानकारी महिलाओं तक पहुंचाना, महिलाओं की आर्थिक स्थिति कैसे सुधरे और वह कैसे आर्थिक रूप से कैसे मजबूत बनें इसके लिए उन्होंने महिलाओं को आत्मरक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान से जीने की राह दिखाई। वह कहती है महिला सशक्तिकरण एक शब्द नहीं बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी भी है।

स्वसहायता समूह की दीदियां बकरी पालन कर हुई आत्मनिर्भर

हरदा (निप्र)। खिरकिया विकासखण्ड के ग्राम टेमलाबाड़ी निवासी सलीताबाई शादी के बाद से ही अपने पति बद्रीप्रसाद के काम में हाथ बंटाकर घर की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहती थी। वह भी कुछ काम करके अतिरिक्त आय प्राप्त कर अपने परिवार का अच्छी तरह से पालन पोषण करना चाहती थी। सलीता बाई को एक दिन गांव में पता चला कि महिलाओं के स्वसहायता समूहों को छोटे मोटे व्यवसाय शुरू करने के लिये सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। बस फिर क्या था, सलीता ने अपने आसपास की कुछ महिलाओं से बात कर भोला आजीविका स्वसहायता समूह गठित कर लिया और समूह महिलाओं ने मिलकर बकरी पालन का व्यवसाय शुरू किया, शुरू में आय कुछ कम प्राप्त हुई लेकिन बाद में धीरे-धीरे आय बढ़ने लगी।

योग एवं प्राणायाम करने से जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारियों की फिटनेस में आया सुधार

हरदा (निप्र)। आजकल की अनियमित दिनचर्या के कारण कर्मचारी शुगर, बीपी, हाइपर टेंशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे थे और उनके स्वास्थ्य और कार्य कुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

सीईओ श्रीमती सविता झानिया ने बताया कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत में एक नई शुरूआत की गई है। जिला पंचायत के कर्मचारियों ने अपना एक ''हेल्थ क्लब'' बनाया है, जिसमे सभी कर्मचारी अपनी-अपनी पसन्द की एक-एक फिजिकल एक्टिविटी नियमित रूप से कर रहे है।

सीईओ श्रीमती झानिया ने बताया कि जिला पंचायत से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारियों का एक वाट्सअप ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें सभी कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन की गई फिजिकल एक्टिविटी की फोटो नियमित रूप से पोस्ट की जाती है। उन्होने बताया कि सभी अधिकारी कर्मचारी इस हेल्थ क्लब में बढ़ चढ़ भाग ले रहे है। सीईओ श्रीमती झानिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गई है, साथ ही कर्मचारियों के खान पान के तरीको मे भी आवश्यक सुधार लाने के लिये समझाईश दी गई है। सीईओ श्रीमती झानिया ने बताया कि जिला पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक रूप से चुस्त एवं दुरुस्त करने के लिए 22 मई से जिला पंचायत के सभा गृह मे योग प्रशिक्षक के माध्यम से सुबह 7 बजे से 8 बजे तक सात दिवसीय योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया हैं, जिसमे सभी अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

सतपुड़ा की गोद में नारी शक्ति द्वारा संचालित होटल अमलतास

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत की संस्कृति सदियों से महिला प्रधान रही है। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते तत्र रमंते देवता जैसी सूक्तियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता का निवास होता है। इसी सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करता हुआ मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग का नवाचार–होटल अमलतास, महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। गत वर्ष 06 दिसंबर 2024 में प्रारंभ की गई अमलतास होटल का पूरा स्टाफ महिला हैं। मप्र पर्यटन विभाग के इस नवाचार के चलते महिलाओं के प्रति लोगों की अवधारणाएं भी बदल रही है। इस होटल में महिला गार्ड से लेकर, कुक, गार्डनर, शेफ, चौकीदारी, मैनेजर सहित अन्य 22 महिला काम करती है। यह होटल न केवल महिलाओं को रोजगार प्रदान कर रहा है, बल्कि एक सुरक्षित और आत्मनिर्भर वातावरण भी उपलब्ध करा रहा है जहाँ महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं।

घर जैसी अनुभूति, कार्य में आत्मविश्वास

अमलतास होटल की मैनेजर ज्योति जयसवाल कहना है कि जिस तरीके से महिलाएं घर को संभालती हैं, उसी तरह हम लोगों ने होटल को सजा सवारकर और सुंदर बनाकर रखा है. जिससे कोई भी पर्यटक यहां आए तो वह खुश होकर जाए। इस होटल को पूरी तरह से महिलाएं चला रही हैं.। पर्यटकों को घर की तरह ही सारी सुविधाएं दी जाती है। वेटर सुनीता शर्मा बताती है कि हमें यहां घर जैसा माहौल लगता है. सभी पर्यटकों को भी घर जैसा खाना मिलता है. उन्हें भी यहां घर जैसा ही फील होता है.ओर हमे भी कार्य करने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही आती। अमलतास होटल की शेफ कुंती ने बताया कि यह होटल प्योर वेज होटल है। यहां साउथ इंडियन खाना भी मिलता है। टूरिस्ट भी हमारे खाने की तारीफ करते हैं। यहां की खास डिस बड़ा सांभर, इडली और डोसा है।

रोजगार का सशक्त माध्यम

होटल की रिसेप्शनिस्ट आलिया फातिमा बताती है कि मध्य प्रदेश टूरिज्म ने महिलाओं के लिए ये एक बहुत अच्छी पहल की है. इससे हमें बहुत खुशी है। कई महिलाएं घरों से निकल नहीं पाती है लेकिन हम लोगों को यहां काम करने का मौका मिला है. हमारे लिए रोजगार का ये एक अच्छा अवसर है। जिससे हमारे घरों की स्तिथियों परिस्थितियों में सुधार आया है

आत्मविश्वास उत्पन्न करता कार्य, सुरक्षा और सुविधा का समन्वय : अमलतास होटल की गार्ड सरिता चौधरी बताती है कि मैं होटल अमलतास में सितंबर से काम कर रही हूं। रात की ड्यूटी पर यहां रहती हूं।अभी तक किसी को कोई दिक्कत नहीं हुई है। जो भी गेस्ट आते हैं उनकी जरूरतें के समान हम उपलब्ध कराते हैं। रात में हमे कोई परेशानी नहीं होती है।

मातृप्रधान संस्कृति की जीवंत झलक होटल अमलतास प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के विचार : उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 06 दिसंबर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतपुड़ा की गोद में महिला शक्ति को समर्पित इस अनूठे प्रयास के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर होटल अमलतास के संचालन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होटल अमलतास में संचालन के लिए कार्यरत सभी महिलाओं से परिचय भी प्राप्त किया था। सिक्योरिटी गार्ड माला चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का महिलाओं को प्रशिक्षण और रोजगार देने की पहल का धन्यवाद दिया। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि होटल अमलतास का संचालन सिर्फ महिलाओं द्वारा किया जाना मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह प्रयास महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में हमारे संकल्प को प्रदर्शित करता है। इस पहल से अन्य राज्य भी प्रेरणा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि हमारे देश की संस्कृति महिला प्रधान संस्कृति है। हमारे नक्षत्र मंडल और सौर मंडल में भी माता को प्रधानता दी गई हैं।

सभी ग्रह पुरुष प्रधान है लेकिन वसुंधरा यानि धरती माता प्रधान है। हम धरती को मां मानकर प्रणाम करते है और आशीर्वाद लेते है। वैसे ही समाज में भी परिवार की धूरी हमारी माता और बहने है। विश्व में 200 से अधिक देश है लेकिन भारत देश को मां का स्थान दिया गया है। भारत माता बोलते ही जय का उद्घोष स्वतः ही आ जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्घाटन के दौरान उपस्थित नागरिकों को संबोधित क्रेते हुए बताया था कि हमारी मातृ संस्कृति और परंपरा देवी और देवताओं के स्मरण करने में भी झलकती है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल जागरूकता के लिए राजभवन मध्य प्रदेश की पहल पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल को भेंट किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

भोपाल, इंदौर और उज्जैन की महिलाएं होंगी सशक्त, दीनदयाल जन-आजीविका योजना लागू

भोपाल। शहरी क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने के लिए चलने वाली योजना दीनदयाल जन-आजीविका योजना (शहरी) भोपाल, इंदौर और उज्जैन जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है। केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने 23 सितंबर 2013 में स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई) के स्थान पर दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) को शुरू किया था। डे-एनयूएलएम योजना की अवधि प्रदेश में 30 सितंबर 2024 को समाप्त हो गई। इसके बाद केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर 2024 से देशभर में नवीन मिशन दीनदयाल जन आजीविका योजना (शहरी) लागू की।

साढ़े छह लाख महिलाएं समूह से जुड़कर संगठन को कर रही मजबूत

जानकारी हो कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत सितंबर 2013 से सितंबर 2024 तक करीब 65 हजार 599 स्व सहायता समूह, 2309 एरिया लेबल फेडरेशन और 106 सिटी लेबल फेडरेशन का गठन हुआ है। साथ ही ऐसे संगठनों से जुड़कर करीब छह लाख 50 हजार से भी अधिक महिलाओं ने शहरी स्व सहायता समूह के जरिये अपने संगठन को मजबूती दी है।

अब तक 36 करोड़ 45 लाख रुपये समूहों को किए गए प्रदान

मिशन के अंतर्गत 36 हजार 448 स्व सहायता समूहों को आवर्ती निधि के रूप में करीब 36 करोड़ 45 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। इसी प्रकार 633 एरिया लेबल फेडरेशन को आवर्ती निधि के रूप में तीन करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपये प्रदाय किए जा चुके हैं। प्रदेश में 19 हजार 14 स्व सहायता समूहों को 185 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि व्यावसायिक गतिविधियों के लिए ऋण के रूप में बैंकों से उपलब्ध कराई गई है।

30 हजार महिलाओं को व्यवसाय के लिए 253 करोड़ मिले

प्रदेश में डे-एनयूएलएम योजना के स्वरोजगार कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र की 30 हजार महिलाओं को स्वयं का व्यवसाय करने के लिए ऋण के रूप में 253 करोड़ रुपये विभिन्न बैंकों से उपलब्ध कराए गए। प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के दूसरे चरण में एक लाख 30 हजार महिलाओं को स्वयं का व्यवसाय करने के लिए 260 करोड़ का ऋण विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से वितरित किया गया है।

‘उदन्त मार्त्तण्ड’

द्विशताब्दी समारोह श्रृंखला का आरंभ 21 जून से

भोपाल। हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत आज से ठीक 199 साल पहले, 30 मई, 1826 को कोलकाता में हुई थी। कोलकाता को पांच भाषाओं की पत्रकारिता आरंभ करने वाली गंगोत्री माना जाता है। अंग्रेजी पत्रकारिता (1780), बांग्ला पत्रकारिता (1818), उर्दू और

उदन्त मार्त्तण्ड

फारसी पत्रकारिता (1822) और हिन्दी पत्रकारिता (1826)। कानपुर के पं. युगलकिशोर शुक्ल हिन्दी पत्रकारिता के प्रवर्तक हैं, जिन्होंने कोलकाता से ‘उदन्त मार्त्तण्ड’ का संपादन-प्रकाशन आरंभ किया था। बांग्ला में ‘य’ का उच्चारण ‘ज’ होता है। इसलिए उन्हें पं. जुगलकिशोर शुक्ल भी कहा जाता है। शुक्ल जी ने हिन्दी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा का निर्धारण भी किया- ‘’हिन्दुस्तानियों के हित के हेत’’। दुर्भाग्य से पं. युगलकिशोर शुक्ल का कोई चित्र नहीं मिलता। कुछ लोगों ने आचार्य शिवपूजन सहाय के चित्र को शुक्ल जी के चित्र के रूप में प्रसारित कर रखा है।

माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान ‘उदन्त मार्त्तण्ड’ की द्वि शताब्दी समारोह श्रृंखला 21 जून, 2025 से आरंभ कर रहा है। 30 मई, 2026 तक यह सिलसिला चलेगा।

छतरपुर में बारिश-आंधी, सीएम का दौरा रद्द

हेलीपैड पर पानी भरा, सभास्थल का टेंट उखड़ा; एमपी के 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। छतरपुर में गुरुवार को मौसम खराब होने से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दौरा रद्द हो गया। यहां दोपहर करीब 12 बजे तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। गौरिहार में बने हेलीपैड में पानी भर गया। सभास्थल पर लगा टेंट भी उखड़ गया। सीएम यादव की छतरपुर के गौरिहार और मऊसहानियां में जनसभा होनी थी।

मौसम विभाग ने गुरुवार को एमपी के खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा और बैतूल में 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक बारिश होने की संभावना जताई है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम-जबलपुर संभाग के जिलों में आंधी-बारिश का दौर रहेगा।

तेज आंधी का अलर्ट, ग्वालियर-शाजापुर में भी बारिश- मध्यप्रदेश में अगले कुल घंटों में कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, श्योपुर, सागर, पांढुर्णा, दमोह और रायसेन में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। श्योपुर में तेज बारिश भी हो रही है।

यहां 60 किमी या इससे अधिक की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है।

इसी तरह आगर-मालवा, मुरैना, नीमच, गुना, शाजापुर, शिवपुरी, अशोकनगर, ग्वालियर, छतरपुर, पन्ना, बैतूल, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, अनूपपुर, डिंडौरी, कटनी, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, नरसिंहपुर और उमरिया में भी बारिश होने का अलर्ट है।

4 दिन तक जारी रहेगा आंधी-बारिश का दौर- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया-प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ एक्टिव है। इस वजह से दक्षिणी हिस्से के 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, विदिशा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, गुना, मंडला, डिंडौरी, उमरिया, कटनी, दमोह और पन्ना में आंधी-बारिश की संभावना है। कुछ जिलों में आंधी की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी। उन्होंने कहा कि सिस्टम के एक्टिव होने से अगले 4 दिन तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा।

नौतपा की शुरुआत बारिश-आंधी से

आमतौर पर नौतपा के दौरान प्रदेश में भीषण गर्मी का असर रहता है। कई जिलों में पारा 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जाता है, लेकिन इस बार आंधी-बारिश का दौर जारी है। पिछले चार दिन 25 से 28 मई तक कई जिलों में तेज आंधी चली और बारिश हुई। नौतपा में पहली बार है, जब पारा 44-45 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा है।

पिछले साल 2024 की बात करें तो 28 मई को 4 शहर- पृथ्वीपुर, दतिया, रीवा और खजुराहो में पारा 48 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया था। ग्वालियर, टीकमगढ़, सतना, नौगांव, सिंगरौली में 47 डिग्री से अधिक रहा था।

भोपाल में फिजियोथेरेपिस्ट की एक्सीडेंट में मौत : सिर में आई थी गंभीर चोट, स्पोर्टस बाइक से राइड के लिए निकले थे

भोपाल। भोपाल के रातीबड़ इलाके में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार स्पोर्टस बाइक सवार फिजियोथेरेपिस्ट को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट आने से उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई नंदकिशोर दुबे के मुताबिक कलखेड़ा में रहने वाला 32 वर्षीय गणेश ठाकरे फिजियोथेरेपिस्ट था। अपनी स्पोर्टस बाइक पर सवार होकर भदभदा से रातीबड़ की ओर जा रहा था। तभी रास्ते में पुलिस चौकी के पास टर्निंग पाइंट पर उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे बंसल अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां दो घंटे बाद ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शरीर पर थे चोटों के मामूली निशान- सिर में चोट के कारण गणेश की मौत हुई है। उसके शरीर पर चोटों के मामूली निशान हैं। गुरुवार को पीएम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

दो साल पहले भाई की हो चुकी है मौत- एएसआई नंद किशोर दुबे ने बताया कि परिवार में सिर्फ दो भाई थे और दो साल पहले ही सड़क हादसे में गणेश के छोटे भाई की मौत हो चुकी है।

भोपाल के कोहेफिजा में एक बिल्डिंग की छत पर आग

कमरों में रखा सामान जलकर राख हुआ, करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया

भोपाल। भोपाल के कोहेफिजा इलाके में गुरुवार सुबह आगजनी की घटना हुई। एक बिल्डिंग की छत पर बने कमरों में आग भभकी। इससे कपड़े समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। करीब दो घंटे में आग काबू में आ पाई।

आग कोहेफिजा स्थित मिलन शादी हॉल के पास लगी। यहां बिल्डिंग की छत पर दो कमरे बने हैं। आग की लपटें उठते देख फायर स्टेशन पर सूचना दी गई। इसके बाद बैरागढ़ और फतेहगढ़ फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। कमरों में रखी अलमारियां कपड़ों से भरी थी। इस कारण आग तेजी से फैल गई। जिससे आग बुझाने में भी दिक्कतें आईं। दमकलकर्मियों ने बताया कि बिल्डिंग के सबसे ऊपरी हिस्से में आग लगी थी। जिससे आग बुझाने में दिक्कतें हुई। पाइपों

के सहारे पानी को ऊपर तक ले जाया गया।

आसपास के इलाकों में हड़कंप मचा- आग की लपटें और धुआं काफी ऊपर उठ रहा था। इस वजह से इलाके में हड़कंप मच गया। रहवासी मो. आदिल ने बताया कि डॉ. दुर्रानी का मकान है। आग लगते ही फायर स्टेशन पर जानकारी दी गई। कपड़े रखें होने की वजह से आग तेजी से फैलती गई।

दक्षिण भारत के तीर्थों की सैर कराएगी भारत गौरव ट्रेन

आरकेएमपी स्टेशन से भी मिलेगा सफर का मौका, 5 जुलाई को इंदौर से होगी रवाना

भोपाल। देशभर के तीर्थ यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे एक खास पहल करने जा रहा है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से दक्षिण दर्शन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जो 5 जुलाई 2025 को इंदौर से रवाना होगी।

यह ट्रेन रानी कमलापति और इटारसी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिससे भोपाल मंडल के यात्रियों को भी सीधे इस यात्रा में शामिल होने का मौका मिलेगा।

रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह यात्रा 09 रात और 10 दिन की होगी। इसमें तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। यह विशेष पर्यटक ट्रेन इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल और नागपुर जैसे स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इन स्टेशनों से यात्री ट्रेन में सवार होकर यात्रा का हिस्सा बन सकते हैं।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

विशेष एलएचबी कोच वाली ट्रेन में आरामदायक सफर
ऑनबोर्ड व ऑफ बोर्ड शुद्ध शाकाहारी भोजन
स्थल दर्शन हेतु उत्तम श्रेणी की बसें
ठहरने के लिए साफ-सुथरे होटल या धर्मशालाएं
प्रशिक्षित टूर एस्कॉर्ट्स
यात्रा बीमा, ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग और सुरक्षा व्यवस्था

भोपाल एम्स में पहली बार ऑपरेशन थिएटर में हुआ पोस्टमॉर्ट्म

48 घंटे चली जीवन रक्षक मैराथन, पूरी प्रक्रिया के दौरान अस्पताल में ही रहे डॉक्टर

भोपाल। भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पहली बार ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के अंदर ही एक ब्रेन डेड मरीज का पोस्टमॉर्टम (अटॉप्सी) किया गया। यह प्रदेश का पहला ऐसा सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां अंगदान के बाद परिवार की भावनाओं का सम्मान करते हुए त्वरित और संवेदनशील प्रक्रिया अपनाई गई। ओबैदुल्लागंज के 60 वर्षीय शंकर लाल कुबेर ने जाते-जाते तीन लोगों को नया जीवन देकर मानवता की मिसाल पेश की है।

फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग की टीम का नेतृत्व प्रो. डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ ने किया। उनकी टीम में डॉ. अतुल केचे, डॉ. संगीता एम, डॉ. दीक्षा छाबड़ा, डॉ. शशिकांत साहू, डॉ. तपिश कुमार और जितेंद्र कुमार शामिल थे।

मरीजों की स्थिति में सुधार की उम्मीद- मृतक के परिजनों के अनुसार, डॉक्टरों ने उन्हें ट्रांसप्लांट के सफल होने की जानकारी दी है। हालांकि, मरीजों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है, लेकिन पहले से बेहतर बताई जा रही है। एम्स की ओर से

अभी तक मरीजों की स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

उनके परिजन चाहते थे कि शव को सुबह 11 बजे तक उन्हें सौंप दिया जाए, ताकि वे सूर्यास्त से पहले दाह संस्कार कर सकें। एम्स प्रबंधन ने परिवार की इस इच्छा को पूरा करना अपनी जिम्मेदारी समझा, क्योंकि शंकर के अंगदान से तीन जिंदगियां रोशन होने वाली थीं।

ओटी में ही पोस्टमॉर्ट्म- इस अनोखे कदम के तहत, एम्स की मॉर्चुरी से एक टीम पूरी किट के साथ ऑपरेशन थिएटर में पहुंची। जहां मृतक शंकर के शरीर से महत्वपूर्ण अंगों (हार्ट और दोनों किडनी) को निकालने (ऑर्गन हार्वेस्टिंग) की प्रक्रिया चल रही थी।

अंग निकाले जाने के तुरंत बाद, एम्स के फोरेंसिक पैथोलॉजिस्ट ने ऑपरेशन थिएटर में ही अटॉप्सी (पोस्टमॉर्टम एग्जामिनेशन) की प्रक्रिया पूरी की। पोस्टमॉर्टम का मुख्य उद्देश्य मृत्यु का सटीक कारण निर्धारित करना, किसी भी बीमारी की पहचान करना या चिकित्सा अनुसंधान के लिए आवश्यक जानकारी एकत्र करना होता है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद, सुबह ठीक 11 बजे शव परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रदेश में अंगदान की स्थिति- एम्स भोपाल में यह 11वां किडनी ट्रांसप्लांट और प्रदेश का दूसरा हार्ट ट्रांसप्लांट है। भविष्य में पीडियाट्रिक (बच्चों के) किडनी ट्रांसप्लांट की भी तैयारी चल रही है। एम्स में पहला किडनी ट्रांसप्लांट 22 जनवरी 2024 को (परिजनों द्वारा दान की गई किडनी से) हुआ था, जबकि ब्रेन डेड मरीज से अंग प्राप्त कर (कैडेवर डोनेशन) पहला ट्रांसप्लांट 8 नवंबर 2024 को किया गया था।

साल 2023 में सिर्फ 8 कैडेवर डोनेशन- नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन की 2023 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में कुल 1,099 कैडेवर डोनेशन हुए थे। इनमें से तेलंगाना में सर्वाधिक 252 डोनेशन दर्ज किए गए, जबकि मध्य प्रदेश में यह संख्या मात्र 8 रही। यह आंकड़ा प्रदेश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की महती आवश्यकता को दर्शाता है। एम्स भोपाल की यह सफलता निश्चित रूप से प्रदेश में अंगदान की मुहिम को नई गति देगी।

दिव्यांगों के अनुदान के लिए कलेक्टरों को मिले अधिकार

निराश्रित निधि से आश्रम संचालन और कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान कर सकेंगे कलेक्टर

भोपाल। वरिष्ठजन आश्रम एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों के संचालन और इनके कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान अब निराश्रित निधि से किया जा सकेगा। सामाजिक न्याय विभाग ने इसके अधिकार कलेक्टरों को दे दिए हैं। वे अधिकतम 2 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। इससे आश्रम में रहने वाले और दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के संचालन में होने वाली दिक्कतों में कमी आएगी। कलेक्टरों से यह भी कहा गया है कि अगर इस संबंध में तय राशि का भुगतान नहीं किया जाता तो इसे वित्तीय अनियमितता माना जाएगा।

प्रदेश में 44 जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, 21 वरिष्ठ आश्रम का संचालन जन सहयोग से, 16 वरिष्ठ आश्रम का संचालन केन्द्रीय अनुदान से एवं 30 जिलों में 36 वरिष्ठ आश्रम का संचालन निराश्रित निधि से किया जा रहा है। इसके कर्मचारियों के मानदेय भुगतान में अब देर नहीं होगी। कलेक्टर अपने स्तर पर ही निर्णय ले सकेंगे। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रमुख

सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने इसको लेकर निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव वायंगणकर ने कहा कि राज्य शासन हर वित्तीय वर्ष में जिला स्तर पर निराश्रित निधि से किए जाने वाले खर्च के लिए राज्य निधि का निर्धारण करता है, जिसमें ब्याज और मूलधन की राशि समाहित होती है। कई जिलों में वर्ष के शुरुआती तीन से चार महीने के बाद इस निधि में ब्याज की रकम नाम मात्र रह जाती है। इस कारण जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में काम करने वाले कर्मचारियों एवं वरिष्ठ आश्रम में कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय के भुगतान में दिक्कत आती है। साथ ही वरिष्ठ आश्रमों को अनुदान का भुगतान भी पेंडिंग रह जाता है।

प्रमुख सचिव के अनुसार शासन ने तय किया है कि राज्य की निराश्रित निधि से सभी जिला कलेक्टर्स ब्याज की राशि से 2 लाख तक खर्च कर सकेंगे। जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में कार्यरत अमले को मानदेय का भुगतान एवं वरिष्ठ आश्रम के कर्मचारियों के मानदेय के साथ-साथ वरिष्ठ आश्रम को अनुदान का पेमेंट इससे किया जा सकेगा। यह पेमेंट निराश्रित निधि के मूलधन की राशि से किए जाएंगे।